हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 333 | बेमेतरा, रविवार 20 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

स्वर्ण मंदिर को थ्रेट मेल मामला, तमिलनाडु से 2 संदिग्ध गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी तमिलनाडु से की गई है। इन संदिग्धों को पूछताछ के लिए अमृतसर लाया जा रहा है। पुलिस जल्द ही इस मामले में आगे की जानकारी साझा कर सकती है।

पंजाब के अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। 14 जुलाई से अब तक करीब पांच धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए हैं। इनमें से कुछ ईमेल में कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी धमकाया गया। इन तमाम धमकियों के बीच सांसद गुरजीत सिंह औजला शुक्रवार को स्वर्ण मंदिर पहुंचे और मत्था टेका। उन्होंने कहा कि स्वर्ण मंदिर सिख समुदाय का सबसे पवित्र स्थल है, जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु आते हैं। ऐसे पवित्र स्थान को धमकी देना न केवल आस्था पर हमला है, बल्कि यह शांति और मानवता के खिलाफ अपराध है।

औजला ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा के लिए स्थायी और प्रभावी उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की धमकियों को रोका जा सके।

सांसद औजला ने कहा, यह बेहद शर्मनाक है कि पवित्र स्थल को निशाना बनाया जा रहा है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने धमकी भरे ईमेल की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है, और साइबर सेल इन ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। स्वर्ण मंदिर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, और श्रद्धालुओं की गहन जांच की जा रही है। पंजाब पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी इस मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हरियाणा में बेटियों के जन्म को मनाया जाएगा जश्न के साथ, सरकार कराएगी गोद भराई और कुआं पूजन

चंडीगढ़। हमारे समाज में बेटियों के जन्म को लेकर अब भी कई क्षेत्रों में भ्रांतियां और पुरानी सोचें मौजूद हैं, हालांकि कई सुधारों के बावजूद इस दिशा में खास बदलाव नहीं आ पाए। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य बेटियों के जन्म को लेकर समाज की सोच बदलना है और लिंगानुपात में सुधार लाना है।

हरियाणा में अब बेटियों के जन्म को एक जश्न के रूप में मनाया जाएगा। जी हां, अब लड़की के जन्म पर गोद भराई और कुआं पूजन जैसे पारंपरिक आयोजनों के माध्यम से उनके स्वागत की शुरुआत होगी। यह आयोजन प्रदेश के उन गांवों में खासतौर पर होगा जहां लिंगानुपात में भारी असंतुलन है।

प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए तमाम प्रयास किए गए हैं, लेकिन अब भी इस मामले में सुधार कम देखने को मिला है। इसी को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह बेटियों के जन्म पर सार्वजनिक रूप से उत्सव मनाने के लिए अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का किया भव्य शुभारंभ

नई औद्योगिक नीति के माध्यम से विकास और रोजगार सृजन कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

फार्मास्यूटिकल इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण कदम

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के सेक्टर-05 स्थित एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं और उत्पादन इकाई का भ्रमण कर दवा निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोविड के कठिन दौर में दवाइयों की किल्लत को देखते हुए इस इकाई के निर्माण का सपना देखा गया था और आज वह साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया कोविड के संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर एक मिसाल कायम की। श्री साय ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स की इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है और पिछले सात-आठ महीनों में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य आरंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक इकाइयों के

माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन का कार्य कर रही है और ऐसी इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, और इन 25 वर्षों में जो विकास हुआ है, उसमें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने न केवल प्रदेश से भूखमरी को दूर किया, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी ठोस नींव रखी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के जरिए लोगों को नि:शुल्क इलाज मिल रहा है। श्री साय ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष की अवधि में छह से अधिक विशेषज्ञ अस्पतालों के शुभारंभ का मैं साक्षी रहा हूं, जो दर्शाता है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि लोग बीमार न पड़ें, निरोगी रहें, और उनकी इसी संकल्पना के अनुरूप वेलनेस सेंटर के माध्यम से लोगों को आरोग्य प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार ने विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की परिकल्पना के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की सकल राज्यीय उत्पाद (ल्रस्ष्ठक्क) ?5 लाख करोड़ है, जिसे 2030 तक ?10 लाख करोड़ और 2047 तक ?75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, और यह प्रदेशवासियों के सहयोग से ही संभव होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स का भ्रमण कर उन्नत तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह इकाई पूरी तरह ऑटोमेटेड है।

म्यांमार-बांग्लादेश से आए शरणार्थियों का लिया जाएगा बायोमेट्रिक रिकॉर्ड

आइजोल(एजेंसी)। मिजोरम में बांग्लादेश और म्यांमार से आए शरणार्थियों का बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय विवरण जल्द ही दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए पूरे राज्य में अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और यह कार्य जुलाई के अंत से शुरू होने की उम्मीद है। शरणार्थियों की पहचान और जानकारी दर्ज करने के लिए फॉरेनर्स आइडेंटिफिकेशन पोर्टल का उपयोग किया जाएगा। हालांकि, जिन ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की सुविधा कमजोर है, वहां पर ऑफलाइन तरीके से डेटा दर्ज किया जाएगा।

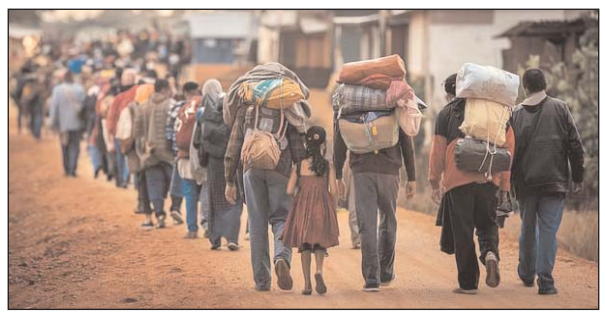

लुंगलेई में बनाई गई 10 बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन टीमें

लुंगलेई जिले में शुक्रवार को अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया जिसमें म्यांमार और बांग्लादेश से आए शरणार्थियों की पहचान और बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सिखाई गई। इस प्रशिक्षण का आयोजन लुंगलेई जिला स्तरीय समिति ने किया। लुंगलेई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के. बेम्हमोताओसा ने जानकारी दी कि जिले में 10 बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन टीमें बनाई गई हैं और आवश्यक उपकरण गृह विभाग से मंगाए गए हैं।प्रक्रिया की शुरुआत रामथार शरणार्थी शिविर से की जाएगी और धीरे-धीरे इसे जिले के अन्य आठ शिविरों में फैलाया जाएगा। बता दें कि राज्य के 11 जिलों में करीब 32,000 म्यांमार नागरिक शरण लिए हुए हैं। ये अधिकतर चिन राज्य से आए हैं और फरवरी 2021 में म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद यहां पहुंचे। वहीं 2022 में चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स में सैन्य कार्रवाई के बाद 2,371 बांग्लादेशी (मुख्य रूप से बवम जनजाति के लोग) मिजोरम आए। इसके साथ ही मणिपुर में जातीय हिंसा के चलते 7,000 से अधिक जो जातीय समुदाय के लोग मिजोरम में शरण लिए हुए हैं। गौरतलब है कि म्यांमार के चिन समुदाय, बांग्लादेश के बवम जनजाति और मणिपुर के जो समुदाय के लोग मिजो जनजातियों से घनिष्ठ जातीय संबंध रखते हैं, जिस कारण मिजोरम में उन्हें अपनापन मिला है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में गूगल और मेटा को ईडी का नोटिस, 21 जुलाई को पूछताछ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स को बढ़ावा देने के आरोप में टेक दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है। इन कंपनियों को 21 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स ने सट्टेबाजी ऐप्स को विज्ञापन के प्रमुख स्थान दिए और उनकी वेबसाइट्स को अपनी सेवाओं का जरिया बनाया, जिससे अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिला। यह जांच मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन जैसे गंभीर वित्तीय अपराधों से जुड़ी है।

ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक बड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है। कई ऐप्स खुद को %स्किल बेस्ड गेम्स% बताकर अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की गई, जिसे हवाला चैनलों के माध्यम से छिपाया गया ताकि जांच से बचा जा सके।

ईडी ने इन ऐप्स के विज्ञापनों को गूगल और मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर प्रमुखता से प्रदर्शित होने का आरोप लगाया है, जिससे इनके यूजर्स बढ़े।

पिछले हफ्ते, ईडी ने तेलुगु राज्यों में 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज,

निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, मंचू लक्ष्मी और अनन्या नगेला शामिल हैं। इसके अलावा, टीवी कलाकार, होस्ट और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे श्रीमुखी, श्यामला, वर्षिणी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोभा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साय और बय्या सनी यादव के नाम भी जांच में हैं। इन पर जंगली रम्मी, ए23, जीतविन, परिमैच और लोटस365 जैसे प्लेटफॉर्म्स के प्रचार का आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं। यह जांच पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 1867 और मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हो रही है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में दर्ज पांच एफआईआर के आधार पर ईडी ने यह कार्रवाई शुरू की। मार्च में, साइबराबाद पुलिस ने भी विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज सहित कई हस्तियों के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार का मामला दर्ज किया था। हालांकि, इन हस्तियों ने सफाई दी कि वे किसी अवैध ऐप का प्रचार नहीं कर रहे थे। ईडी अब इन सभी मामलों की गहन जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी में है।

राज ठाकरे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका, गैर-मराठी नागरिकों पर हमलों को लेकर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सुप्रीमो राज ठाकरे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता घनश्याम उपाध्याय ने यह याचिका दाखिल की है, जिसमें राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता घनश्याम उपाध्याय ने बताया कि इससे पहले उन्होंने हिंदी भाषा के मुद्दे पर गैर-मराठी नागरिकों पर हो रहे हमलों के खिलाफ अधिकारियों को शिकायत भेजी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उपाध्याय का कहना है कि अधिकारियों से कई बार शिकायत करने के बावजूद राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जिसके चलते उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने किया AAIB की जांच का समर्थन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) की प्रमुख जेनिफर होमेंडी ने शनिवार को कहा कि बोर्ड एअर इंडिया के विमान हादसे की एएआईबी की जांच का समर्थन करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि इस घटना पर मीडिया रिपोर्ट समय से पहले और अटकलें हैं।

विमान दुर्घटना में गई थी 260 लोगों की जान

एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान एक मेडिकल छात्रावास से टकरा गया था। विमान ने लंदन के गेटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी। इसमें चालक दल के सदस्यों सहित 242 यात्री सवार थे। दुर्घटना में 241 लोग मारे गए थे। जबकि एकमात्र व्यक्ति ही जीवित बच पाया था। वहीं, जमीन पर मौजूद 19 लोगों की भी इस हादसे में जान चली गई थी।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जून को विमान हादसे पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। होमेंडी ने एक्स पर एक बयान में कहा, एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 के हादसे पर हालिया मीडिया रिपोर्ट समय से पहले और अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के एएआईबी ने अभी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है।

एनटीएसबी ने किया एएआईबी की जांच का समर्थन

होमेंडी की ओर यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब एएआईबी ने कुछ दिन पहले कहा कि हादसे के कारणों के बारे में अभी निश्चित नतीजे निकालना जल्दबाजी होगी, क्योंकि जांच जारी है। एएआईबी ने सभी से पहले ही अटकलों से बचने का आग्रह किया था। होमेंडी ने यह भी कहा कि एनटीएसबी एएआईबी की ओर से की गई सार्वजनिक अपील का पूरा समर्थन करता है और उसकी जारी जांच का समर्थन करता रहेगा। उन्होंने शनिवार को पोस्ट में कहा कि सभी जांच संबंधी सवाल एएआईबी को संबोधित किए जाने चाहिए।

तेजस्वी यादव का केंद्र सरकार पर तंज, गाने के जरिए साधा निशाना

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अभी दो से तीन महीने की देरी है, लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। दोनों के बीच बयानबाजियों का दौर जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अपनी एकदिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में मोतिहारी पहुंचे और 7200 करोड़ रुपये से ज्यादा की योजनाओं की सौगात प्रदेश को दी। इस पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। तेजस्वी ने शनिवार को एक गाना लॉन्च किया है, जिसमें भाजपा के कई वादों को उठाया गया है। इस गाने को उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया है। तेजस्वी यादव ने एक्स पर गाने का वीडियो शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा है, मोदी जी ओ मोदी जी, आदरणीय मोदी जी, आपके झूठ और जुमलों से तंग आकर बिहारवासियों ने आपको यह गाना समर्पित किया है।

ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के 3 सवाल

हमें संसद में पीएम से जवाब चाहिए, कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चलेगा-जयराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे।

दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफनहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे।

कांग्रेस ट्रम्प के इन्हीं दावों पर मानसून सत्र में केंद्र सरकार से जवाब चाहती है। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं।

'संसद शुरू होने वाली है और प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। कोई और नेता नहीं चलेगा। कांग्रेस और पूरा विपक्ष विशेष चर्चा की मांग करेगा और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। हमें कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चाहिए। केवल प्रधानमंत्री को ही जवाब देना होगा।'

'पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की लंबे समय से दोस्ती रही है। फिर चाहे सितंबर 2019 में हाउडी मोदी और फरवरी 2020 में नमस्ते ट्रम्प का आयोजन हो, दोनों का गले मिलने का रिश्ता रहा है। अब पीएम मोदी को संसद में खुद बयान देना होगा।'

आप ने लिखा- मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया 'प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रम्प बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।'

भारत-पाक संघर्ष विराम पर कांग्रेस पहले भी उठाती रही है सवाल

18 जून: अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंक के खिलाफशानदार सहयोगी बताया जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंक विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को शानदार सहयोगी बताया। पाकिस्तान जिसने ओसामा बिन लादेन को शरण दी, वो शानदार सहयोगी कैसे बन सकता है? पाकिस्तान शानदार अपराधी है। अपराधी को सहयोगी कहना भारत के लिए झटका है।

6 जून: ऑपरेशन सिंदूर क्या ट्रम्प के दबाव में रोका, क्रूचुप क्यों हैं रमेश ने पूछा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर को अमेरिका के दबाव में रोका गया? कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? क्या अमेरिकी दबाव में भारत ने युद्ध रोका ताकि व्यापार समझौते हो सकें? उन्होंने कहा कि यह सवाल सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं।

3 जून: राहुल बोले- ट्रम्प के फोन से नरेंद्र तुरंत सरेंडर हो गए राहुल गांधी ने 3 अप्रैल को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री मोदी पर बयान दिया।

सीबीआई ने बीएसएफ कार्यालय में तैनात अधिकारी को घूस लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वेतन एवं लेखा कार्यालय (पीएओ) में कार्यरत लेखा परीक्षा अधिकारी (एएओ) को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने आरोपी को 40,000 रुपए की रिश्वत लेते समय पकड़ा। सीबीआई ने शुक्रवार को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपी एएओ ने शिकायतकर्ता के वेतन और एरियर बिल को पास करने के बदले कुल लंबित बिल राशि का 15 से 20 प्रतिशत यानी लगभग 2 लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी।

बातचीत के बाद आरोपी एएओ और कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 2 लाख रुपए की रिश्वत लेने पर सहमति जताई। इसके बाद

सीबीआई ने शुक्रवार को जाल बिछाया और आरोपी एएओ को शिकायतकर्ता से 40,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है।

बता दें कि घूसखोड़ी के मामले में सीबीआई ने पहले भी कई कार्रवाई की हैं। इससे पहले सीबीआई की जयपुर इकाई ने कार्रवाई करते हुए मध्य प्रदेश के नीमच में पदस्थ केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीआई) के इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह और उसके एक सहयोगी जगदीश मेनारिया को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था

यह गिरफ्तारी चित्तौड़गढ़ जिले के बड़ी सादड़ी निवासी मांगीलाल गुर्जर की शिकायत के आधार पर की गई। इसने पूरे विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिकायत के अनुसार, नारकोटिक्स इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह ने 27 मार्च को मांगीलाल के घर छापा मारकर करीब 400 किलो डोडा चूरा जब्त किया था। इस कार्रवाई के बाद, इंस्पेक्टर ने परिवार को धमकाते हुए एक करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी और कहा कि अगर रकम नहीं दी गई तो पूरे परिवार को मामले में फंसा दिया जाएगा।

सुशासन तिहार बना जनता के जख्मों पर नमक : सपहा में 65वें दिन भी जारी, अनिश्चितकालीन हड़ताल, सरकार पर वादाखिलाफी और धमकी का गंभीर आरोप

सूरजपुर/चांदनी/मूक पत्रिका

सरकार की सुशासन तिहार योजना अब ग्रामीणों के लिए महज एक दिखावा बनकर रह गई है। जिला सूरजपुर के ग्राम सपहा (थाना चांदनी) में सरकारी वादाखिलाफी, उपेक्षा और धमकियों के विरोध में 65वें दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रही। ग्रामीणों का साफ कहना है कि अब सिर्फ घोषणाओं से पेट नहीं भरता, जनता को हक चाहिए और वो हर हाल में लेकर रहेंगे।

283 आवेदन, सिर्फ बकरी शेड मंजूर- सुशासन तिहार में ग्राम पंचायत सपहा से कुल 283 आवेदन डाले गए थे। इनमें से सिर्फ 2-3 नाममात्र की योजनाएं जैसे डाबरी और बकरी शेड स्वीकृत की गई। जबकि गांव की असली जरूरतें हैं बिजली कनेक्शन, पक्की सड़क एवं सीसी रोड, पुलिया निर्माण, सामुदायिक भवन, वन अधिकार पट्टा, सोलर व ड्यूल पंप। सरकार ने इन्हें या तो नजरअंदाज कर दिया, या फिर देरी के नाम पर जमीनी हकीकत से आंखें मूंद लीं।

एसडीएम पर गंभीर आरोप: हड़ताल खत्म नहीं की, तो विकास नहीं मिलेगा- हड़ताल का नेतृत्व कर रहे पंच लालजी बौद्ध और ग्रामीणों ने खुलासा किया कि एसडीएम भैयाथान ने खुलेआम धमकी दी कि अगर आंदोलन वापस नहीं लिया गया, तो सपहा को कोई भी विकास कार्य नहीं मिलेगा। यह कथन न सिर्फ अलोकतांत्रिक है, बल्कि प्रशासनिक गुंडागर्दी की बानगी भी है।

जनता ने किया तीखा सवाल अगर देना नहीं था, तो आवेदन क्यों मंगवाए?- ग्रामीणों का गुस्सा उफान पर है। उनका कहना है कि सरकार ने थाली परोसी, परोसने को कुछ भी नहीं था। सिविर लगाकर आम जनता को बुलाया गया, लेकिन जब देने की बारी आई, तो सिर्फ वादे थमा दिए। क्या यही है सुशासन?

राष्ट्रपति और राज्यपाल से की गई शिकायत- ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत भारत के महामहिम राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, और मानवाधिकार आयोग (नई दिल्ली व रायपुर) से की है और एसडीएम भैया थान पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी सवाल उठाया गया कि अगर शासन के पास देने को कुछ नहीं था, तो ढोंग क्यों किया गया?

धान रोपा के बीच भी जारी है जनसंघर्ष- ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि भले ही खेती-बाड़ी और मजदूरी के चलते कुछ समय के लिए उपस्थिति कम हो, लेकिन हड़ताल में कोई ढील नहीं दी जाएगी। गांव की बुनियादी सुविधाओं को लेकर यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक हर मांग पूरी नहीं हो जाती। सरकार उत्सव मना रही है, जनता संघर्ष कर रही है। सुशासन तिहार अब विश्वासघात का प्रतीक बन गया है। सपहा की आवाज़ अब सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के हर उस नागरिक की है जो अपने हक के लिए सड़क पर उतर आया है।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का हुआ आयोजन

सुरजपुर/सलका /मूक पत्रिका

संकुलस्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 2025-26 के अंतर्गत संकुल केन्द्र कसकेला विकासखंड भैयाथान में प्रवेशोत्सव का कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास से मनाया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद सदस्य योगेन्द्र प्रताप सिंह देव थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवदयाल यादव पूर्व बीईओ ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में ही सभी अतिथियों द्वारा शाला परिसर में ÷एक पेड़ मां के नाम ÷अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया।अतिथियों के स्वागत उपरांत नवप्रवेशित कक्षा पहली, छठवीं तथा नवमी के विद्यार्थियों का तिलक पुष्प से स्वागत किया गया तथा उन्हें पाठयपुस्तक वितरित किया गया।अतिथियों ने सभी बच्चों को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। मुख्य अतिथि योगेन्द्र सिंह देव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि बच्चे देश की नीव हैं,इनकी अच्छी शिक्षा से देश को सजग और संस्कारवान नागरिक प्राप्त होता है,छोटे छोटे प्रयासों से बड़ी उपलब्धियां हासिल हो जाती हैं,अब्राहम लिंकन और एपीजे अब्दुल कलाम जैसे लोगों ने अत्यंत गरीबी और अभावों में होने के बावजूद अपने लगन से विश्व में अपनी बेहतरीन पहचान बनाई।उन्होंने कम संसाधनों में भी विश्व को मिसाल पेश की फिर आज तो बहुत से संसाधन उपलब्ध हैं।लगन से हर चुनौती का सामना आसान हो जाता है।पूर्व बीईओ यादव ने बताया कि वे स्वयं कम संसाधनों में पढ़कर मेधावी विद्यार्थी बन गए।कार्यक्रम को पूर्व उपसरपंच रामनरेश यादव, सरपंच प्रतिनिधि अयोध्या प्रताप सिंह ,सेवानिवृत शिक्षक अमरसाय ,एसएमडीसी के रामनरेश यादव तथा प्रधान पाठक परमेश्वर जायसवाल ने संबोधित किया।प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के उपरांत सभी माननीय अतिथियों की संकुल के समस्त स्टाफ के साथ सौजन्य बैठक की गई जिसमे संकुल परिवार के समस्त कर्मचारियों का परिचय कराया गया तथा विद्यालयीन गतिविधियों की समीक्षा की गई।मुख्य अतिथि ने सभी का मनोबल और ऊंचा करते हुए हमेशा सहयोग का आश्वासन दिया। शिवकैलाश,रूपनारायण, विकास,लोकनाथ, जमुना यादव,तथा बहुत से पालकों विशेषकर महिलाओं की बड़ी संख्या में कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती निशा सिंह ,प्रतिभा कुशवाहा,मोनिका राजवाड़े,सुनीता,क्रांति पैकरा,शंभू कुंभकार,लालकृष्ण,निर्णय गुप्ता, बसु प्रसाद रक्सेल,रितेश तिवारी,रविकांत पैकरा,मनोज तिवारी,सतीश यादव,अरुण उपाध्याय ,हरेश,मिथलेश तथा सोनम,ललित एवम राजेश का विशेष सहयोग रहा।आभार प्रदर्शन हृदय जायसवाल ने किया।पूरे कार्यक्रम में कुशल मंच संचालन राजाराम ने किया।

पुल से टकराकर कार में लगी आग, चार युवकों की जिंदा जलकर मौत, दो घायल

कांकेर/मूक पत्रिका

रास्ट्रीय राजमार्ग-30 पर बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा आतुर गांव के पास देर रात एक बजे के आसपास हुआ, जब तेज़ रफ्तार कार पुल से टकराकर पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। पुलिस के मुताबिक, केशकाल के ढोण्डरा पाल गांव से पांच युवक अपने एक दोस्त को कांकेर छोड़ने आए थे और वापस लौटते समय उनकी कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि कार में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते वह आग के गोले में तब्दील हो गई। हादसे के वक्त कार में छह लोग सवार थे। चार युवक कार के भीतर ही फंसे रह गए और जिंदा जल गए। वहीं, दो युवक कार से बाहर छिटक कर गिर पड़े, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से कांकेर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही कांकेर पुलिस, यातायात बल और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। बीते शनिवार सुबह फॉरेंसिक टीम की मदद से जले हुए शवों को कार से बाहर निकाला गया। शवों की पहचान डीएनए जांच के माध्यम से की जाएगी, क्योंकि शव बुरी तरह झुलस चुके हैं। घटना के बाद ढोण्डरा पाल और कांकेर दोनों गांवों में मातम पसरा हुआ है। मृतकों की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है।प्रारंभिक जांच में तेज़ रफ्तार और रात का समय हादसे की संभावित वजह मानी जा रही है। पुल की सुरक्षा व्यवस्था और साइनबोर्ड की स्थिति की भी जांच की जा रही है।

गीदम सरपंच संघ का बैठक जनपद पंचायत भवन में स्थित सभागार में हुआ सम्पन्न

दंतेवाड़ा/गीदम/मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को गीदम सरपंच संघ का बैठक जनपद पंचायत भवन में संरक्षक घासीराम कश्यप ऋषू राम कश्यप टिंगरू राम लेकाम सुकराम लेकाम के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ सरपंच संघ ब्लॉक गीदम के अध्यक्ष लक्ष्मी नाथ पोडियाम ने कहा की पूर्व में जो सरपंच संघ बनाया गया था वह गठन के पूर्व बिना सूचना के पर्ची सिस्टम से कराया गया था जो की अमान्य एवं निराधार है जो की यह सरासर राजनीतिक उद्देश्य से बनाया गया संगठन है लक्ष्मीनाथ ने कहा कि हमारा संगठन में बहुमत में तीस सरपंच मौजूद है पूर्व में उन्होंने हमारे समर्थित सरपंचों को बिना अवगत कराए बैठक में बुलाया था लक्ष्मी नाथ का कहना है कि हम हमारे संघ में सभी का स्वागत है किंतु राजनीतिक उद्देश्य से बनाया गया सरपंच संघ का हम पूर्ण रूप से खंडन एवं विरोध करते हैं सरपंच संघ राजनीतिकरण नहीं बल्कि सभी सरपंचों के एवं सभी ग्राम के विकास के लिए शासन प्रशासन स्तर तक बात पहुंचाने का माध्यम है लक्ष्मीनाथ ने आग्रह किया कि जो भी सरपंच साथी हमारे संग के माध्यम से जुड़ना चाहते हैं उनका स्वागत है और किसी को राजनीति करना है तो वह करे बैठक में उपाध्यक्ष श्रीमती मालती इस्ताम डीमन लेकाम शैलेश अटामी मोतीराम सोरी प्रमिला सुराना सीमा कवासी संध्या शुक्ला ब्रिजेश कड़की सुमित्रा अलामी शिवानी कश्यप मोहन वेक गुड्डी राम कश्यप दिनेश हपका दिलीप नेताम सोनारु राम वेक सहित सभी सरपंच मौजूद रहे।

लोहे का धारदार तलवार लेकर लोगो को डराने वाला युवक गिरफ्तार

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले के आरोपी को पूर्व में मारपीट के मामले में भेजा गया था जेल। आरोपी बलवंत भार्गव उम्र 28 साल निवासी सिंघरीपारा बुडगहन थाना बलौदा। मामले में थाना बलौदा पुलिस को सूचना मिला कि बुडगहन बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति लोहे का धारदार तलवार लेकर आने जाने वाले एवं आसपास रहने वाले व्यक्तियो को डरा धमका रहा हैं कि सूचना पर बताये स्थान पर जाकर घेराबंदी किया जहां एक व्यक्ति मिला जो अपने हाथ में लोहे का धारदार तलवार रखा था जिसका नाम पता पुछने पर बलवंत भार्गव निवासी सिंघरीपारा बुडगहन थाना बलौदा बताया जिसको पकडकर उसके कब्जे से एक लोहे का धारदार तलवार मिला जिसे जप्त कब्जा पुलिस लिया और थाना लाकर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 286/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 25 अगस्त से आनंदम धाम में

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

खडवालिया परिवार द्वारा आयोजित गया श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 25 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2025 तक अमर ताल स्थित आनंदम धाम में आयोजित किया गया है जिसमें कथा वाचक के रूप में आचार्य देशमुख वशिष्ठ जी महाराज के मधुरवाणी से कथा का रसपान कर भक्त व भाव विभोर होंगे एवं कार्यक्रम संपन्न होगा उक्त कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए परिवार के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि गुरुदेव द्वारा अपना विशेष समय निकालकर हमारे परिवार द्वारा आयोजित करवाए जा रहे श्रीमद् गया जी भागवत में अपना अमूल्य समय प्रदान करते हुए अपनी मधुर वाणी से भक्तों का मन मोह लेंगे उक्त कथा का आयोजन 25 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2025 तक शाम 3:00 से 7:00 तक आनंदम धाम रिजॉर्ट अमरताल मैं आयोजित किया गया है जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस 25 अगस्त दिन सोमवार देव प्रतिष्ठा भागवत महात्म सुखदेव आगमन द्वितीय दिवस 26 अगस्त दिन मंगलवार विराट स्वरूप वर्णन ध्रुव चरित्र 27 अगस्त दिन बुधवार प्रहलाद चरित्र गजेंद्र मोक्ष 28 अगस्त गुरुवार वामन अवतार कृष्ण जन्मोत्सव नंदोत्सव 29 अगस्त शुक्रवार बाल लीला माखन चोरी गोवर्धन पूजा छप्पन भोग 30 अगस्त दिन शनिवार रुक्मणी विवाह महोत्सव सुदामा चरित्र 31 अगस्त रविवार नव योगेश्वर संवाद अवधूतोपाख्यान द्वादश स्कंध एवं कथा का विश्राम होगा कथा विश्राम उपरांत 1 सितंबर 2025 को हवन होगा तत्पश्चात गया जी रवानगी होगी गया जी से वापसी उपरांत 26 सितंबर 2025 दिन शुक्रवार को अग्रसेन भवन नैला जांजगीर मे भंडारा का आयोजन किया गया है जिसमें प्रसाद ग्रहण उपरांत उक्त कार्यक्रम संपूर्ण होगा उन्होंने आगे कहा कि इतने महान गुरुदेव का कथा हमारे जिले में हो रहा है सभी व्यक्तियों को अपना अमूल्य समय निकालकर भागवत का रसपान करना चाहिए मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने पत्रकारों को अपनी आपसी चर्चा में बताया कि विगत कई वर्षो से परिवार के द्वारा उक्त भागवत का आयोजन करने का मन बनाया गया था जो पितरों की कृपा से इस वर्ष पूर्ण हो रहा है।

आंगनबाड़ियों में दिख रहा बदलाव: बच्चों को मिल रहा खेल-खेल में ज्ञान, संस्कार और पोषण

सुरजपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ियाँ अब बच्चों के पोषण के साथ-साथ शिक्षा, संस्कार और स्वास्थ्य के नए केंद्र बन रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि ÷राज्य सरकार का लक्ष्य आंगनबाड़ियों को नवाचारयुक्त बाल विकास केंद्र के रूप में स्थापित करना है, जहां बचपन संवरता है और भविष्य मजबूत होता है।÷ राज्य के अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र अब पारंपरिक स्वरूप से निकलकर प्री-स्कूल प्ले लर्निंग स्पेस के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। यहां बच्चों को कहानियों, चित्रों, लोकगीतों और गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता, भाषा विकास और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जा रही है। बेमेतरा जिले का बोइरकछरा आंगनबाड़ी केंद्र राज्य में एक उत्कृष्ट मॉडल बनकर उभरा है। यहां बच्चों का शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक और रचनात्मक विकास सुनियोजित तरीके से हो रहा है। दीवारों पर शैक्षणिक चित्रों और बालगीतों की प्रस्तुति, ÷मोर जन्म दिन÷ कैलेंडर और बच्चों के लिए तैयार किए गए ÷कैरी बैग÷ जैसे नवाचार बच्चों में आत्मविश्वास और सामाजिकता का संचार कर रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता, आत्मरक्षा, पोषण और आत्मनिर्भरता के गुर सिखाए जा रहे हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं को स्तनपान, नवजात देखभाल और संतुलित आहार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जा रही हैं। पूरक पोषण आहार योजना के तहत बच्चों और महिलाओं को पौष्टिक भोजन जैसे हरे साग, मुनगा भाजी पाउडर, फल, रोटी-सब्जी और दाल-भात प्रदान किया जा रहा है। बेमेतरा की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी दी कि बोइरकछरा केंद्र में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला सक्षम कोष सहित सभी प्रमुख योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस सफलता के पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती प्यारी ध्रुव और सहायिका की अहम भूमिका रही है, जिनकी निष्ठा और रचनात्मक सोच इस केंद्र को प्रेरणास्रोत बनाती है।

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में आदतन गुंडा बदमाशों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

थाना चांपा क्षेत्र के दो आदतन गुंडा बदमाश को गिरफ्तार कर चांपा शहर में निकाला गया जुलूस

दोनो आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड उपरांत भेजा गया जिला जेल

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

उपरोक्त मामले के दोनो बदमाशो के द्वारा शराब पीने के लिए पैसा मांग करना नहीं देने पर घर अंदर घुसकर मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है। थाना चांपा पुलिस द्वारा रिपोर्ट के चंद घंटे में दोनों बदमाशो को पकड़ा जिसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त लकड़ी का पटरा बरामद किया गया। आरोपियों के नाम-01 गोपाल पाल उर्फ बडा बंगाली पिता भोला नाथ पाल उम्र 32 साल निवासी मझली तालाब चांपा। 02 शुभम पाल उर्फ छोटा बंगाली पिता भोलानाथ उम्र 30 साल साकिनान वार्ड के 25 मंझली तालाब चांपा मामले में दिनांक 17/07/2025 के रात्रि 07:00 बजे आरोपी गोपाल पाल द्वारा प्रार्थी राधेश्याम देवांगन से शराब पीने के लिए पैसा दो बोला तो वह मना किया उसे अश्लील गाली गलौज करने लगा उसके बाद प्रार्थी वहां से डर कर चुपचाप अपने घर चला गया। पुनः दिनाक 18/07/2025 के शाम 07 बजे प्रार्थी अपने घर पर था कि उसी समय दोनों बदमाश गोपाल पाल एवं सुभम पाल दरवाजा को लात मारकर घर अंदर घुस गये और सुभम पाल बोला कल मेरा भैया शराब पीने के लिए पैसा मांग रहा था तुम नहीं दिये थे तुम आज हम दोनों को शराब पीने के लिए पैसा दो, प्रार्थी पैसा देने के लिए मना किया तो आरोपी गोपाल पाल अपने हाथ में रखे लकड़ी के पटरा से प्रार्थी के ऊपर हमला कर अश्लील गाली गलौज करते हुए जान से मारकर खत्म कर देंगे कहकर मारपीट करने लगे, बीच बचाव करने वालो को भी आरोपियों द्वारा गाली गलौच करते हुए मारपीट कर वहां से भाग गए जिसकी सूचना रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 298/25 धारा 333, 119(1), 296, 351(2), 115(2)3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

मुख्यमंत्री ने एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का किया भव्य शुभारंभ, फार्मास्यूटिकल इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण कदम

नई औद्योगिक नीति के माध्यम से विकास और रोजगार सृजन कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीते शनिवार को नवा रायपुर के सेक्टर-05 स्थित एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं और उत्पादन इकाई का भ्रमण कर दवा निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोविड के कठिन दौर में दवाइयों की किल्लत को देखते हुए इस इकाई के निर्माण का सपना देखा गया था और आज वह साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया कोविड के संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर एक मिसाल कायम की। साय ने कहा कि फार्मास्यूटिकल्स की इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है, और इन 25 वर्षों में जो विकास हुआ है, उसमें पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने न केवल प्रदेश से भूखमरी को दूर किया, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी ठोस नींव रखी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के जरिए लोगों को निःशुल्क इलाज मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष की अवधि में छह से अधिक विशेषज्ञ अस्पतालों के शुभारंभ का मैं साक्षी रहा हूं, जो दर्शाता है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि लोग बीमार न पड़ें, निरोगी रहें, और उनकी इसी संकल्पना के अनुरूप वेलनेस सेंटर के माध्यम से लोगों को आरोग्य प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार ने ÷विकसित छत्तीसगढ़ 2047÷ की परिकल्पना के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की सकल राज्यीय उत्पाद (त्रस्ष्ठक्क) ?5 लाख करोड़ है, जिसे 2030 तक ?10 लाख करोड़ और 2047 तक ?75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, और यह प्रदेशवासियों के सहयोग से ही संभव होगा। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स का भ्रमण कर उन्नत तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह इकाई पूरी तरह ऑटोमेटेड है, जहाँ टैबलेट, सिरप, ऑइंटमेंट और क्रीम जैसे विभिन्न प्रकार की दवाइयों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इकाई के विस्तार से बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश के फार्मास्यूटिकल सेक्टर में यह एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है और कोविड काल के दौरान पूरी दुनिया को यह एहसास हुआ कि दवाइयों और चिकित्सा संसाधनों का क्या महत्व है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों ने भी उस दौर में भारत की फार्मा क्षमता पर विश्वास जताया। उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विजन डॉक्यूमेंट जारी किया गया है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में नवा रायपुर की केंद्रीय भूमिका है। यह क्षेत्र न केवल औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त है, बल्कि सभी प्रमुख मार्गों से जुड़ाव के कारण लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से भी अत्यंत सुविधाजनक है। डॉ. सिंह ने एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की टीम को इस नई शुरुआत के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह इकाई नवा रायपुर के विकास को नई गति देगी। डॉ रमन सिंह ने बताया कि निदेशक मंडल में कोमलचंद चोपड़ा जिन्हें 50 वर्षो का अनुभव है फार्मा उद्योग का । उज्जवल दीपक जिन्होंने करोड़ों की नौकरी छोड़कर छत्तीसगढ़ में इतना भव्य प्लांट लगाया है । यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ में युवाओं का भविष्य उज्जवल है । ऐसी टीम जब इस प्लांट को चलायेगी तो क्वालिटी की गारंटी है ।÷ यह यूनिट फार्मास्युटिकल्स निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर बनाएगी और राज्य को वैश्विक औषधि मानचित्र पर स्थापित करने में मदद करेगी। ÷राज्य सरकार के उद्योग विभाग की आकर्षक नीतियों द्वारा प्रदान की गई सुगमता, ह्त्रष्ठ द्वारा भूमि आवंटन, ष्टस्रस्ष्ट की नीतियां / पॉलिसी का समर्थन और स्ढ्ढष्ठक्च्ढ्ढ की आर्थिक सहायता एवं सुरक्षा ने इस यूनिट को कम समय में स्थापित करने में सक्षम बनाया। अब यहां से वैश्विक स्तर की दवाइयों का निर्माण कर, छत्तीसगढ़ को फार्मा क्षेत्र में अग्रणी बनाएंगे। उज्ज्वल दीपक ने अपने उद्बोधन में बताया एस्पायर फार्मास्यूटिकल के द्वारा एक बहुत ही अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित उत्पादन इकाई है यह स्वचालित और पर्यावरण-संवेदनशील प्रणाली सहित प्रदेश में लगभग 100 से अधिक स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार भी उपलब्ध करा रहा है । इसके अलावा यह संस्थान अनुसंधान, विकास और निर्यात के लिए भविष्य में छत्तीसगढ़ का विशेष केंद्र रहेगा । इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, पवन साय, विधायक गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक संपत अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा,नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, धमतरी महापौर रामू रोहरा, सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, , एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स से कोमलचंद चोपड़ा, अनिल देशलहरा और उज्ज्वल दीपक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

NH-43 बना मौत का हाईवे : सड़क की बदहाली पर फूटा जनाक्रोश, मंत्री के वीवीआईपी रूट पर भी उठे सवाल

सूरजपुर/सिलफिली/मूक पत्रिका

सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क, यह सवाल अब पूरे सूरजपुर जिले में गूंज रहा है। सिलफिली से कालीघाट तक राष्ट्रीय राजमार्ग-43 (NH-43) की बदहाल स्थिति को लेकर जनता का सब्र जवाब दे चुका है। बीते शनिवार, 19 जुलाई को सिलफिली में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित चक्का जाम आंदोलन ने प्रशासन को झकझोर दिया।

सड़क नहीं, मौत का रास्ता: अब नहीं सहेंगे खामोशी-NH-43 की स्थिति ऐसी हो चुकी है कि दुर्घटनाएं आम हो गई हैं। लोग रोज़ाना सिर पर कफ़न बांध कर सफ़र करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, ज्ञापन सौंपे, लेकिन ना कोई सुनवाई हुई, ना ही कोई सुधार। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क पर बैठकर यह ऐलान कर दिया कि अब नहीं सहेंगे खामोशी, अब जवाब चाहिए। मंत्री जी के रास्ते को तीन बार बनाया, जनता के हिस्से में गड्ढे क्यों?

प्रदर्शन के दौरान सबसे तीखा सवाल यह उठा कि वर्तमान मंत्री के घर जाने वाला रास्ता तीन बार बनाया गया, वह वीवीआईपी है इसलिए? क्या आम जनता की जान की कोई कीमत नहीं?इस मुद्दे ने आंदोलन को और उग्र बना दिया। लोगों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह भेदभाव और सत्ता के विशेषाधिकार की मानसिकता को दर्शाता है।

पूर्व विधायक का तीखा वार: भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं मंत्री जी-प्रदर्शन में शामिल पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े ने भी मौजूदा मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा जब आंगनबाड़ी जैसी योजनाओं में सलाई घोटाले और निर्माण में भ्रष्टाचार करने से फुर्सत नहीं हो, तब भला सड़क निर्माण पर ध्यान कैसे जाएगा?

उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग में बड़े घोटालों का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब देख रही है, और समय आने पर जवाब भी देगी।

प्रशासन का आश्वासन: 15 अक्टूबर तक निर्माण, नहीं तो फिर आंदोलन-प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुसार, 15 अक्टूबर 2025 के बाद NH-43 का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।तब तक गड्ढों की मरम्मत और अस्थायी सुधार का कार्य किया जाएगा।आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर तय समयसीमा में काम नहीं शुरू हुआ, तो यह आंदोलन और भी बड़ा व उग्र रूप लेगा। जनता की प्रमुख मांगें-NH-43 की तत्काल मरम्मत और निर्माण की स्पष्ट समय-सीमा घोषित की जाए। निर्माण कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो। क्षेत्रीय श्रमिकों को कार्य में प्राथमिकता दी जाए। सभी गड्ढों को फिलहाल तुरंत भरा जाए, ताकि जानलेवा स्थिति से राहत मिले।

एकजुट हुई जनता, मजबूत हुआ संघर्ष-इस आंदोलन में सिलफिली, गणेशपुर, पेंडानगर, पहाड़गांव, नवगांव, जमनगर सहित दर्जनों गांवों से आए लोगों ने भाग लिया। महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की बड़ी भागीदारी ने आंदोलन को सामाजिक ताकत दी। पूर्व विधायक, जनपद सदस्य, युवा कांग्रेस पदाधिकारी और स्थानीय संगठनों की उपस्थिति में यह आंदोलन जनता की एकजुटता और दृढ़ संकल्प का उदाहरण बन गया।

अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन ने मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के नाम केशकाल तहसीलदार को विज्ञापन सौंपा

केशकाल/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने प्रदेश के शासकीय सेवकों की प्रमुख 11 मांगों को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ...ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी केशकाल की ओर से तहसीलदार के माध्यम से प्रेषित किया गया। ..ज्ञापन में फेडरेशन ने मांग की है..कि शासकीय सेवकों को केंद्र सरकार के समान 2 प्रतिशत ..महंगाई भत्ता देय तिथि से प्रदान किया जाए,.. जुलाई 2019 से लंबित डीए की एरियर्स राशि जीपीएफ खाते में समायोजित की जाए, और वेतन विसंगति पर गठित समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। अन्य प्रमुख मांगों में 8, 16, 24 और 30 वर्ष की सेवा पर पदोन्नत वेतनमान का लाभ, सहायक शिक्षक एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को तृतीय समयमान वेतनमान प्रदान करने, अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने.., मध्यप्रदेश की तर्ज पर 300 दिवस तक अवकाश नगदीकरण की अनुमति, खाते में कटौती तिथि से सेवा गणना करते हुए पूर्ण पेंशन पात्रता हो....फेडरेशन ने स्पष्ट किया है कि यदि मांगों पर निर्णय नहीं होता है तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।.. इसके अंतर्गत राज्य भर में रैलियों के माध्यम से ज्ञापन सौंपे जाएंगे और 22 अगस्त को सामूहिक अवकाश लेकर जिला एवं तहसील मुख्यालयों में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।--प्रातीय संचालक--केदार जैन ने मोदी की गारन्टी को लागू करने व समय-समय मंहगाई भत्ता को दिये जाने की मांग की.. प्रवक्ता--अली पासा ने कहा कि वर्तमान सरकार अपने वायदे से बार बार मुकर रही है.. जिसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा.. सह संयोजक--लोकेश गायकवाड ने 11 सूत्रीय मांगो को सभा मे वाचन किया... सभा का संचालन--रोशन हिरवानी ने किया.. इस अवसर काफी संख्या मे कर्म चारी उपस्थित रहे! ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षक साझा मंच के संचालक--केदार जैन, प्र प्रातीय संचालक, लोकेश गायकवाड, सह संयोजक जिला कोडागांव, श्याम लाल कोर्राम संयोजक केशकाल, गिरजा शंकर साहू सह संयोजक विकास खण्ड के जाबांज पदाधिकारीगण--अमित मंडावी,शुएब अली, देवेन्द्र कुपाल,नीलम मेश्राम, गजेन्द्र सुरोजिया, राधेश्याम मंडावी, दिनेश टेकाम. सनवारू गावडे. चंद्र किशोर सलामे, मोहित नेताम, विवेक नेताम, प्रवीण शोरी आदि सेवारत सहित विभिन्न विभागों के शासकीय सेवक उपस्थित रहे।

जैविक कृषि की नई पहचान श्री विधि और कतार रोपा से खेतों में क्रांति

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन, कृषि विभाग और भूमगादी की संयुक्त पहल से दंतेवाड़ा जिले में जैविक खेती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। पारंपरिक खेती के विकल्प के रूप में अब श्री विधि, कतार रोपा और जैविक तरीकों को अपनाकर किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले को जैविक जिला बनाना है, जहां पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दिया जा सके। इस अभियान के तहत पहली बार जिले में 6 हजार हेक्टेयर भूमि पर रोपा, कतार रोपा एवं श्री विधि से खेती का लक्ष्य तय किया गया है। यह पद्धतियां न केवल अधिक उत्पादन दे रही हैं, बल्कि जल संरक्षण, कीट नियंत्रण और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में भी मददगार साबित हो रही हैं। आज 19 जुलाई 2025 को गीदम विकासखंड के ग्राम हीरानार में इस अभियान की जमीन पर प्रभावी शुरुआत हुई। उपसंचालक कृषि सूरज पंसारी, सहायक संचालक कृषि धीरज बघेल, भोले लाल पैकरा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी किशन नेताम समेत विभाग के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कृषक लूदरु राम व अन्य किसानों के खेतों में कतार रोपा पद्धति का प्रायोगिक प्रदर्शन किया। इन प्रयासों के जरिए किसानों को खेत में ही प्रशिक्षण देकर वैज्ञानिक तरीके अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जैविक खेती की सफलता की बुनियाद किसानों को सशक्त बनाना है। कृषि विभाग के अधिकारी गांव-गांव जाकर जैविक खाद निर्माण, बीज उपचार, जैविक कीटनाशक जैसे नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, जीवामृत, घनजीवामृत आदि के उपयोग की जानकारी व्यावहारिक तौर पर दे रहे हैं। 'देखो और सीखो' की इस पद्धति से किसानों में व्यवहारिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।श्री विधि से खेती में जल की बचत, पौधों का बेहतर विकास और उत्पादन में 30-40: तक वृद्धि देखी जा रही है। वहीं कतार रोपा से पौधों में उचित दूरी रखने के कारण कीट और रोग नियंत्रण आसान हो जाता है। जैविक विधियों के माध्यम से खेती की लागत घट रही है और उपज की गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से मौजूद संसाधनों जैसे गौवंश, वर्मी कंपोस्ट यूनिट और गौठानों कृ का प्रभावी उपयोग करते हुए प्राकृतिक कृषि मॉडल को अपनाया जा रहा है। इससे खेती में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है और किसान रासायनिक इनपुट्स पर निर्भर नहीं रह रहे।

ट्रेनिंग से भूखे प्यासे ही लौटे जिले भर के सरपंच, गर्मी व भूख से बेहाल बैठे रहे सरपंच व निकायों के प्रतिनिधि, सरपंचों ने अफसर को खूब सुनाई खरी-खोटी

महिला व बाल विकास विभाग एक और कार्यक्रम में बदइंतजामी

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले में महिला व बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह की रोकथाम पर आयोजित कार्यशाला सह प्रशिक्षण में बदइंतजामी से नाराज सरपंचों ने अधिकारी को जमकर खरी-खोटी सुनाई। सरपंचों ने भवन के बेसमेंट में पहुंचकर महिला व बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण सिंह नागेश को जमकर खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि अगली बार बगैर कूलर-पंखे के कार्यक्रम आयोजित न किया करें। साथ ही दूर-दराज से दिन भर के कार्यक्रम में बुलाने पर समय पर भोजन की व्यवस्था भी करें। इसके बाद बगैर भोजन किए ही सभी सरपंच व अन्य लोग अपने-अपने गांव लौट गए। एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित शुक्रवार को ऑडिटोरियम में यह जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिले भर के सरपंच-सचिव, नगरीय निकायों के जन प्रतिनिधि व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुपरवाइजरों को बुलाकर बाल विवाह रोकने के तौर-तरीके बताए गए। अतिथि के तौर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम भी उपस्थित थे।कूलर-पंखे का इंतजाम नहीं- सुबह 10 बजे से शुरू होकर दिन भर चलने वाले इस आयोजन में बद इंतजामी से लोग परेशान रहे। उमस व गर्मी से हलाकान लोगों के लिए पंखा-कूलर तक के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों व नगरीय निकायों से करीब 500 से ज्यादा लोग शामिल हुए। लेकिन नाश्ते के नाम पर सिर्फ चाय-बिस्किट परोसे गए। ऑडिटोरियम के बेसमेंट में भोजन पकाया तो जा रहा था, लेकिन समय पर तैयार नहीं हुआ। दोपहर 3 बजे तक भोजन नहीं मिलने से परेशान ज्यादातर लोग बगैर भोजन किए ही लौट गए।

शिक्षा समिति की बैठक में घोटपाल 01,02, जोडातराई पहुँचे जनपद सदस्य पवन कर्मा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत घोटपाल 01/घोटपाल 02/ जोड़ा तराई मे शिक्षा समिति का बैठक हुई।जिसमें स्कूल बच्चों का भोजन गुणवत्ता स्कूल के शिक्षकों के बारे में बच्चों को पढ़ना, बच्चों को सिखाना ,बच्चों को मनोरंजन में उत्साहवर्धन करना, संस्कृति कार्यक्रम, स्कूलों में जो समस्या आती है ऐसे विषयो पर चर्चा कि गई।इसके साथ ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास जैसे योजना का भी चर्चा किया गया है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक समिति सदस्य एवं जनपद सदस्य पवन कर्मा, जनपद सदस्य श्रीमती अनिता नेताम, सरपचं घोटपाल लक्ष्मण लेकामी, उपसरपंच संतू लेकामी, घोटपाल, 2सरपचं बसती लेकमी, उपसरपंच चमरा राम लेकामी, झोडातराई सरपंच डिमनलाल लेकामी, ग्राम पंचायत के समस्त सियान, लखमू राम कश्यप, कलूराम लेकमी ,संकुल केंद्र प्रभारी देवेंद्र सोनी जी, गांव के पटेल धनीराम लेकामी,रमेश कडती, मोहन सेठिया, बलराम, सेठिया, सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

' कॉफी विद कलेक्टर' में बीजादूतीर ने कहा - 'सर, तैयार हैं हम'

- कलेक्टर संबित मिश्रा ने युवाओं को किया प्रेरित, साझा किए अनुभव

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में शिक्षा स्वास्थ्य कुपोषण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं को गांवों तक प्रचार प्रसार करने वाले बीजादूतीर वालेंटियर्स के साथ कलेक्टर संबित मिश्रा ने कॉफी के साथ गतिविधियों के अनुभवों को साझा किया और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया । इंद्रावती सभा कक्ष में आयोजित कापी विथ कलेक्टर में जिले भर से आए बीजादूतीर वालेंटियर से मुलाकात कर उन्हें कापी पिलाया और जिले में शासकीय योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी ली । इस अवसर पर बारी बारी से वालेंटियर्स ने अपने अपने गांव की समस्याओं को बताया तथा शासन की योजनाएं से लोगों को लाभान्वित करने की जानकारी दी। वालेंटियर्स ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, कमजोर बच्चों को एनआरसी सेंटर भेजने, मलेरिया से बचाव, आंगनवाड़ी और स्कूल में सभी बच्चो को भेजने के अलावा जहां जरूरत है वहां पढ़ाने का कार्य भी किया जा रहा है । वालेंटियर के कार्यो की सराहना कर कलेक्टर संबित मिश्रा ने कहा कि जिले की विषम परिस्थिति में जितना हम सहयोग दे सकते हैं वह प्रशंसनीय है। इस समय आपको हमारे एक बड़े अभियान ÷वेंडे स्कूल दायकाल÷ यानी स्कूल फिर चले हम अभियान का हिस्सा बनकर सभी बच्चो को स्कूल तक लाने और शिक्षा से जोड़ने की मुहिम में सहयोगी बनना है। कलेक्टर की अपील पर सभी बीजादूतीर ने कहा ÷यस सर÷ तैयार हैं हम स्कूल फिर चले अभियान को सफल बनाने के लिए। कलेक्टर ने सभी बीजादूतीर का उत्साहवर्धन किया और कहा कि यही कर्तव्य बोध हमारे देश को सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

पुलिस चौकी देवकर स्टाफ द्वारा ग्राम सहसपुर में ग्रामवासियों को साइबर फ्रॉड, फर्जी काल, ठगी, नशा मुक्ति के खिलाफ यातायात नियमो व अन्य अपराधों के संबंध में किया गया जागरूक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा सभी थाना /चौकी प्रभारियों को ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर आम जनता से संवाद कर मौके पर प्राप्त उनकी समस्याओं/शिकायतो एवं उनके गावं व आस-पास के ग्रामों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर यथा संभव समस्याओं का त्वरित समाधान करने निर्देशित किया गया है इस दौरान सामुदायिक पुलिसिंग के लिए ÷हमर पुलिस हमर बजार÷ एवं ÷हमर पुलिस हमर गांव÷ अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को जिले के हॉट/बाजारों स्कुल, कालेजों एवं ग्रामों, में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में 15 जुलाई 2025 को ÷हमर पुलिस हमर गांव÷ अभियान के माध्यम से पुलिस चौकी प्रभारी देवकर सउनि उदलराम टांडेकर एवं चौकी स्टाफ के द्वारा ग्राम सहसपुर में चौपाल लगाकर आम जनता से संवाद कर ग्रामवासियो को सायबर, फर्जी काल, ठगी, नशा मुक्ति के खिलाफ यातायात नियमो व अन्य अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया। जिसमें मोबाइल से सम्बन्धित होने वाले अपराध एवं उनके रोकथाम तथा महिलाओ एवं बालिकाओ पर हो रहे लैंगिक शोषण के बचाव एवं कारण से संबंधित तथा सायबर अपराधों से बचाव हेतू महत्तवपूर्ण जानकारी साझा की गई। साइबर अपराध, फर्जी काल ठगी और 03 नवीन कानून के संबंध में अवगत कराते हुए अन्य कानूनी जानकारियां दी गई। साथ ही नशा मुक्ति को लेकर बताया कि नशा शारीरिक समस्याओं के साथ ही आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी नुकसान का कारण बनता है। ग्रामवासियों को नशा नहीं करने संकलप व इसके दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया गया। बाहरी लोगों की आवाजाही, असामाजिक तत्वों व अवैध कारोबारी में लिप्त लोगो एवं सोना - चांदी चमकाने के नाम पर ठगी करने वालो पर कड़ी नजर रखने और पीकप, मालवाहन में सवारी नहीं बैठाने, यातायात के नियमों का हमेशा पालन किये जाने एवं सभी को हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अभिनव बिंद्रा ने की मुलाकात

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं छूएंगी आकाश, आधुनिक तकनीक से होंगे खिलाड़ी पारंगत

- छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी और स्पोर्ट्स साइंस डेवलपमेंट के लिए होगा कार्य

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं अब आकाश को छूएंगी। राज्य के खिलाड़ी प्रारंभिक स्तर से ही आधुनिक तकनीकों के माध्यम से दक्ष बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बीते शनिवार को उनके निवास कार्यालय में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अभिनव बिंद्रा ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी एवं स्पोर्ट्स साइंस डेवलपमेंट के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिंद्रा का पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बिंद्रा से छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विकास एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने संबंधी योजनाओं पर गहन चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने चर्चा के दौरान कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति स्वाभाविक रुचि एवं नैसर्गिक प्रतिभा है, विशेषकर आदिवासी अंचलों के युवाओं में अत्यधिक संभावनाएं हैं। इस परिप्रेक्ष्य में बिंद्रा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि वे छत्तीसगढ़ में ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन, स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी और स्पोर्ट्स साइंस कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की खेल प्रतिभाओं को निखारने में ये प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे। चर्चा के दौरान बिंद्रा ने बताया कि वे अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में खिलाड़ियों को आगे लाने के लिए विविध कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि फाउंडेशन द्वारा खेलहित में संचालित ये कार्यक्रम निःशुल्क होते हैं, जिससे खिलाड़ियों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भी फाउंडेशन के माध्यम से ऐसे कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने के सम्बन्ध में चर्चा की। श्री बिंद्रा ने जानकारी दी कि ओलंपिक वैल्यू एजुकेशन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के स्कूली बच्चों में ओलंपिक मूल्यों का विकास किया जाएगा। उन्हें उत्कृष्टता, सम्मान और मैत्री जैसे मूल्यों को अपनाने हेतु प्रेरित किया जाएगा, जिससे प्रारंभिक अवस्था से ही खेल प्रतिभाओं का संवर्धन संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री साय को बिंद्रा ने अवगत कराया कि स्पोर्ट्स इंजरी खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती है। स्पोर्ट्स इंजरी रिकवरी कार्यक्रम के अंतर्गत खिलाड़ियों को निःशुल्क सर्जरी, पुनर्वास एवं उपचार उपरांत देखभाल की संपूर्ण सुविधा प्रदान की जाएगी, ताकि वे स्वस्थ होकर पुनः खेल क्षेत्र में सक्रीय हो सकें। इस हेतु फाउंडेशन के साथ देश के 30 उत्कृष्ट चिकित्सकों का नेटवर्क कार्यरत है, जिसका लाभ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री को बिंद्रा ने बताया कि वर्तमान खेल परिदृश्य पूर्णतः विज्ञान-आधारित हो गया है। अतः वे छत्तीसगढ़ में स्पोर्ट्स साइंस कार्यक्रम प्रारंभ करना चाहते हैं, जिससे आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धति से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जा सके। नवीनतम तकनीकों की सहायता से प्रतिभाओं की पहचान वैज्ञानिक तरीके से की जा सकेगी तथा टेक्नोलॉजी के माध्यम से उनके कौशल को समुचित रूप से विकसित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आवश्यक सभी सुविधाएं प्रदान कर रही है। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों के युवाओं में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा समुदाय के युवाओं में तीरंदाजी का प्राकृतिक कौशल है। इस प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु रायपुर एवं जशपुर में एनटीपीसी के सहयोग से 60 करोड़ रुपये की लागत से आर्चरी अकादमी की स्थापना की जा रही है। इसी प्रकार बस्तर में आयोजित बस्तर ओलंपिक में 1.65 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। राज्य सरकार द्वारा ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये एवं कांस्य पदक विजेता को 1 करोड़ रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में देने की घोषणा की गई है।इस अवसर पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक श्रीमती तनुजा सलाम, डॉ. दिगपाल राणावत सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

संपादकीय

यौन उत्पीड़न -प्रशासन और शासन की लापरवाही

किसी भी आपराधिक घटना में न्याय मिलने में जरूरत से ज्यादा विलंब या न्याय मिलते नहीं दिखना, पीड़ित व उसके परिवार की पीड़ा को कई गुना बढ़ा देता है। कई बार तो पीड़ित व्यक्ति इतना आहत हो जाता है कि उसके जीने की इच्छा तक दम तोड़ देती है। ओड़ीशा में बालासोर के एक कालेज की छात्रा के साथ भी संभवत- यही हुआ। इस छात्रा ने अपने एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता आत्मदाह जैसा चरम कदम उठाने पर मजबूर हो गई और अब उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सवाल है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कालेज प्रशासन ने इस मामले में तत्काल गंभीरता और संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई? पीड़िता को ऐसा क्यों महसूस हुआ कि उसे न्याय नहीं मिल पाएगा? गौरतलब है कि पीड़ित छात्रा ने संबंधित कालेज की आंतरिक अनुपालन समिति में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। खबरों के मुताबिक, न सिर्फ उस पर तत्काल जांच जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि मामले को दबाने के लिए दबाव भी बनाया गया। इससे आहत होकर पीड़िता ने खुद को आग लगा ली। अब वह अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है। इस घटना के बाद कालेज के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है और मामले में मुख्य आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही सरकार ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की है। सवाल है कि अगर कालेज प्रशासन की ओर से ऐसी सक्रियता पहले दिखाई गई होती, तो क्या छात्रा को खुद को आग लगाने की हद तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता था? अक्सर देखा गया है कि जब कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तो उसके बाद ही शासन और प्रशासनिक अमला हरकत में आकर चुस्ती दिखाने लगता है। जबकि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आरोप और घटना की गहन जांच हो, सच्चाई सामने आए, दोषी को सजा मिले और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो। तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है।

विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है। विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है। इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। इस सूचकांक के अनुसार, भारत 'सामान?य से कम' असमानता श्रेणी में है।

समानता रिपोर्ट में बेहतरी की ओर भारत

(उमेश चतुर्वेदी)

विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है। इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। इस सूचकांक के अनुसार, भारत 'सामान?य से कम' असमानता श्रेणी में है।

इसे संयोग कहें या कुछ और, जिस समय भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दिनों जोड़े गए शब्दों 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' को लेकर बहस हो रही है, ठीक उसी वक्त आई विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है।

विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है। इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। इस सूचकांक के अनुसार, भारत 'सामान?य से कम' असमानता श्रेणी में है। मानकों के अनुसार, इस श्रेणी के लिए स्कोर 25 से 30 के बीच होता है। यह 'कम असमानता' वाले समूह के मानक से कुछ ही ज्यादा है। इस श्रेणी में स्लोवाक गणराज्य शामिल है। स्लोवाक का गिनी इंडेक्स 24.1 है। इसी तरह दूसरे स्थान पर रहे सोवियत संघ के पूर्व हिस्से और मौजूदा स्लोवेनिया देश का सूचकांक 24.3 है। इसके बाद 24.4 अंकों के साथ बेलारूस है। इन तीनों के बाद भारत का नंबर है। गौरतलब है कि विश्व बैंक ने दुनिया के 167 देशों का गिनी इंडेक्स जारी किया है। इनमें भारत की स्थिति बहुत बेहतर है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 30 देश 'सामान?य से कम' असमानता वाली श्रेणी में आए हैं। जिनमें अत?यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश जैसे आइसलैंड, नॉर्वे, फ़िनलैंड, बेल्जियम और पोलैंड शामिल हैं। इसमें संयुक्त अरब अमीरात जैसा धनी देश भी शामिल है। इस सूचकांक के लिहाज से भारत का प्रदर्शन विगत के डेढ़ दशक की तुलना में बहुत बेहतर है। साल 2011 में भारत का गिनी सूचकांक 28.8 था। साल 2022 में यह 25.5 पर पहुंच गया।

गिनी सूचकांक के जरिए यह समझने की कोशिश की जाती है कि देश विशेष के घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति और उसके उपभोग के वितरण में कितनी समानता है। इसे शून्य से लेकर 100 के सूचकांक के स्तर पर मापा जाता है। इस सूचकांक के अनुसार, जिस देश का स्कोर शून्य है, उसका मतलब है कि उस देश में पूरी तरह समानता है यानी आय का वितरण पूरे नागरिकों में समान है। इस सूची में 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय और संपत्ति है और वही सबसे ज्यादा उपभोग करता है, जबकि दूसरों के पास कुछ भी नहीं है। इसका मतलब यह होता है कि उस देश विशेष में पूरी तरह असमानता व्याप्त है। मोटे तौर पर समझ सकते हैं कि जिस देश का गिनी इंडेक्स

जितना ज्यादा होगा, उस देश में उतनी ही असमानता होगी।

विश्व बैंक का मानना है कि गिनी इंडेक्स में भारत की मजबूत स्थिति की वजह उसके गरीबी हटाओ उपाय हैं। जिनके जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की गई है। विश्व बैंक ने गरीबी के लिए रोजाना 2.15 अमेरिकी डॉलर से नीचे की आय को रखा है। इस लिहाज से भारत में 2011-12 के दौरान करीब 16.2 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जी रहे थे, उनकी संख्या में साल 2022-23 में घटकर सिर्फ 2.3 प्रतिशत रह गई है।

भारत में समानता लाने में मोदी सरकार की योजनाओं का बहुत योगदान है। इसमें नई योजनाएं हैं और पुरानी का बेहतर कार्यान्वयन भी है। इन योजनाओं के जरिए लोगों तक आर्थिक पहुंच में सुधार करना, राज्य की ओर से दिए जा रहे कल्याणकारी फायदों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना और इस पूरी प्रक्रिया में समाज के कमज़ोर और कमजोर प्रतिनिधित्व वाले समूहों का सहयोग करना है। इसमें प्रधानमंत्री जन धन योजना को पहले स्थान पर रखा जा सकता है। जिस योजना के तहत 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से ज़्यादा लोगों के पास जन धन खाते थे। इनके जरिए ना सिर्फ लोगों को राज्य की ओर से मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं का फायदा सीधे पहंच रहा है, बल्कि वित्तीय कामकाज के लिए बैंकों तक इन लोगों का जुड़ाव बढ़ा है। इससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है।

आधार और डिजिटल पहचान के जरिए कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है। तीन जुलाई, 2025 तक देश के 142 करोड़ से अधिक लोगों के आधार कार्ड जारी किए जा चुके थे। राज्य के कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान और सब्सिडी आदि को अब सीधे लोगों के खातों में पहुंचाया जा रहा है। इसकी वजह से देश की बचत बढ़ी है। एक आंकड़े के अनुसार, मार्च 2023 तक देश की संचयी बचत ?3.48 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी थी। जाहिर है कि इनमें से ज्यादातर लोगों का पैसा प्रत्यक्ष और सीधे खातों तक वित्तीय मदद पहुंच रहा है। भारत की आर्थिक और सामाजिक असमानता को कम करने में आयुष्मान भारत योजना का भी हाथ मान सकते हैं। इसके जरिए इससे कवर परिवार को सालाना 5 लाख रूपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई, 2025 तक देशभर में 41.34 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। जिसके दायरे में देश भर के 32,000 से अस्पताल शामिल हैं। इस योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना शुरू की जा चुकी है, चाहे उनकी आय जो भी हो। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वजह से यह प्रयास और मजबूत हुआ, जिसमें लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए 79 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते बनाए जा चुके हैं। भारत में आर्थिक और सामाजिक असमानता को दूर करने में स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजना के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित इस योजना के जरिए दलित और आदिवासी एवं महिला उद्यमियों को ग्रीनफील्ड उद्योग स्थापित करने के लिए 10 लाख से एक करोड़ रूपए तक का कर्ज दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार इस साल जुलाई के पहले हफ्ते तक इस योजना के तहत पूरे देश में 2.75 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किए जा चुके थे। इसके तहत नव उद्यमियों को 62,807.46 करोड़ रूपए दिये जा चुके हैं। एक तरह से इस योजना के जरिए वंचित समुदाय की आर्थिक तरक्की हो रही है। आर्थिक तरक्की की राह सामाजिक विकास को भी प्रभावित करती है।

भारत में जारी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना देश की खाद्य और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। कोरोना महामारी के दौरान शुरू की गई इस योजना तहत 80.67 करोड़ लोगों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। मुफ्त मिल रहे खाद्यान्न का उद्देश्य है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखे पेट ना सोए। भारत में गरीबी कम करने में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का भी अपना विशेष योगदान मान सकते हैं। इसके तहत पारम?परिक कारीगरों और शिल्पकारों बिना किसी जमानत के ऋण, टूलकिट, डिजिटल प्रशिक्षण और मार्केटिंग सहायता दिए जा रहे हैं। इस साल जुलाई के पहले सप्ताह तक इस योजना के तहत 29.95 लाख व्यक्तियों को फायदा मिल चुका है। इससे शहरी और ग्रामीण, दोनों तरह की गरीबी दूर करनें में मदद मिली है।

इसका यह मतलब नहीं कि ऑक्सफैम की रिपोर्ट को अनदेखा कर दिया जाए। इसके अनुसार देश में आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश के सबसे अमीर महज एक प्रतिशत लोगों के पास देश की चालीस फीसद से ज्यादा की संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब आधी आबादी के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह असमानता आय, संपत्ति और अवसरों में भी साफ तौर पर दिखती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 77 फीसद त हिस्सा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश में 119 अरबपति हैं। 2000 में इनकी संख्या केवल 9 थी, जो 2017 में बढ़कर 101 हो गई और अब यह बढ़कर सौ से ज्यादा हो गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, देश में अरबपतियों की संपत्ति में एक दशक में करीब 10 गुना की बढ़ोतरी हुई है। उनकी कुल संपत्ति वित्त वर्ष 2018-19 के भारत के केंद्रीय बजट से भी ज्यादा रहा। साफ है कि गिनी सूचकांक में भारत की स्थिति सुधरी तो है, लेकिन ऑक्सफैम की रिपोर्ट असमानता की ओर भी ध्यान दिलाती है। इसकी ओर भी ध्यान दिया जाना होगा। तभी हम सही मायन में समतामूलक और समाजवादी समाज बन सकेंगे। क्योंकि समाजवाद का मतलब पूंजी का विकेंद्रण होता है, संकेंद्रण नहीं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

75 + के फार्मूले का व्यवहारिक पक्ष भी देखें

कृष्णमोहन झा

संघ प्रमुख मोहन भागवत के एक भाषण की इन दिनों बहुत चर्चा हो रही है और उसके अलग अलग निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। यह भाषण उन्होंने विगत दिनों संघ की दिवंगत विभूतियों में से एक स्व मोरोपंत पिंगले के व्यक्तित्व और कृतित्व की विशेषताओं को उजागर करने वाली पठनीय पुस्तक % मोरोपंत पिंगले- द आर्किटेक्ट आफ हिंदू रिसर्जेंस% के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से दिया था। मोहन भागवत ने अपने भाषण में मोरोपंत पिंगले के 75 वें जन्मदिन पर आयोजित सम्मान समारोह में उनके द्वारा विनोद के लहजे में की गई एक टिप्पणी का उल्लेख किया। मोरोपंत पिंगले ने अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में दिए गए भाषण में कहा था कि जब आप किसी के 75 वें जन्मदिन पर शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान करते हैं तो इसका मतलब होता है कि अब आप हट जाओ हमें करने दो। चूंकि संघ प्रमुख मोहन भागवत के बारे में यह आम धारणा बन चुकी है कि वे इशारों इशारों में ही अपना मंतव्य व्यक्त करते हैं इसलिए उनके इस भाषण ने भी यह बहस छेड़ दी है कि संघ प्रमुख ने मोरोपंत पिंगले की टिप्पणी का उल्लेख सहज होकर किया था या फिर उनका इशारा कहीं और था । संयोग से मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी साल सितंबर में एक सप्ताह के अंतराल से 75 वर्ष के हो रहे हैं। इसलिए संघ प्रमुख के बयान के निहितार्थ निकाले जाने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है।

मोहन भागवत ने अपने भाषण में यद्यपि मोरोपंत पिंगले की टिप्पणी का उल्लेख करके उनकी विनोद प्रियता का उदाहरण मात्र दिया था परन्तु विपक्ष तो जैसे इसी अवसर की तलाश कर रहा था। उसने मोहन भागवत के भाषण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए नसीहत खोजने में कोई देर नहीं की जबकि उसमें ऐसा कोई भाव नहीं था। मैं समझता हूं कि मजाकिया लहजे में कही गई की बात को मजाक में ही लिया जाना चाहिए। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 17 सितंबर को अपने यशस्वी जीवन के75 वर्ष पूर्ण करने जा रहे हैं इसलिए यह तो तय माना जाना चाहिये कि मोहन भागवत का उक्त भाषण पर छिड़ी बहस का सिलसिला निकट भविष्य में थमने वाला नहीं है बल्कि अगले कुछ दिनों में यह मसला और जोर जोर से उठाया जाएगा। वैसे संघ प्रमुख मोहन भागवत खुद भी मोदी की 75 वीं वर्षगांठ के 6 दिन पूर्व 75 वर्ष के होने जा रहे हैं इसलिए यह कयास भी लगाए जा सकते हैं कि क्या संघ प्रमुख मोहन भागवत भी मोरोपंत पिंगले के मजाक को हकीकत में बदलने का मन तो नहीं बना रहे हैं लेकिन सवाल तो फिर वही उठता है कि क्या स्व मोरोपंत पिंगले द्वारा अपने 75 वीं वर्षगांठ के अवसर आयोजित सम्मान समारोह के प्रत्युत्तर में विनोद प्रियता के लहजे में कही गई बात को उसी रूप में स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

मेरे विचार से तो राजनीति से सन्यास के लिए 75 साल की सीमा रेखा तय करने की बात सैद्धांतिक रूप से तो सही मानी जा सकती है परन्तु व्यवहारिक रूप से भी इसे सही ठहराना उचित नहीं होगा। अगर 75 पार के राजनेता अथवा संघ के पदाधिकारी अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने में पूर्णतः सक्षम हैं तो निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। ऐसी तपस्वी,मनस्वी और अनुभवी विभूतियां चाहे सरकार अथवा किसी भी राजनीतिक दल में वरिष्ठ पदों पर आसीन हों उन्हें शाल ओढ़ाकर उनसे वानप्रस्थ आश्रम में जाकर विश्राम करने का अनुरोध करना उनकी अनमोल सेवाओं का उचित सम्मान नहीं माना जा सकता। ऐसा मानना भी उचित नहीं होगा कि 75 साल की आयु सीमा पार कर चुके राजनेता अथवा संघ के पदाधिकारी अपने से किसी प्रतिभाशाली कनिष्ठ की उन्नति के मार्ग में अवरोध पैदा करने की मंशा रखते होंगे। भाजपा और संघ में युवा प्रतिभाओं का हमेशा सम्मान किया गया है और यह सिलसिला निरंतर जारी है अतः संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्व. मोरोपंत पिंगले से जुड़ी जिस घटना का उल्लेख विगत दिनों एक पुस्तक के विमोचन समारोह में किया है उसका उनकी विनोद प्रियता के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

अमर्यादित नहीं हो सकती है अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

नागरिकों को भी समझना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मर्यादा है, उसे लांघना किसी के भी हित में नहीं है। उचित होगा कि नागरिक समाज इस दिशा में गंभीरता से चिंतन करे। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ही कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत इस्तेमाल समाज में नफरत और विघटन को जन्म दे सकता है। इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे जिम्मेदारी से बोलें, संयम रखें और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें। हमारे यहाँ तो महापुरुषों ने भी कहा है कि जो व्यवहार हम अपने लिए अपेक्षित करते हैं, वही व्यवहार हमें सामने वाले के साथ करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ के सामने आया वजाहत खान का मामला ऐसा ही है।

(लोकेन्द्र सिंह राजपूत)

सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ही कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत इस्तेमाल समाज में नफरत और विघटन को जन्म दे सकता है। इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे जिम्मेदारी से बोलें, संयम रखें और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें। जब हम विरोध, आलोचना और असहमति के वास्तविक स्वरूप को भूलते हैं तब हमारी अभिव्यक्ति घृणा और नफरत में बदल जाती है। मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय विचार के संगठनों एवं कार्यकर्ताओं पर टिप्पणी का स्वर ऐसा ही दिखायी पड़ रहा है, जो अमर्यादित है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसी ही अमर्यादित अभिव्यक्ति के मामलों की सुनवाई के दौरान बहुत महत्वपूर्ण बातें कहीं है, जिन पर हमें गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है। इस पर किसी प्रकार के बाहरी प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन यदि इसी प्रकार अमर्यादित लिखा-पढ़ी, बयानबाजी और कार्टूनबाजी जारी रही तब समाज में वैमनस्य और सांप्रदायिक तनाव को फैलने से रोकने के लिए कुछ न कुछ युक्तियुक्त प्रबंध करने ही पड़ेंगे। सोशल मीडिया के इस दौर में किसी को भी अमर्यादित और असीमित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती है। नागरिकों को भी समझना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मर्यादा है, उसे लांघना किसी के भी हित में नहीं है। उचित होगा कि नागरिक समाज इस दिशा में गंभीरता से चिंतन करे। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ही कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत इस्तेमाल समाज में नफरत और विघटन को जन्म दे सकता है। इसलिए नागरिकों को चाहिए कि वे जिम्मेदारी से बोलें, संयम रखें और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करें। हमारे यहाँ तो महापुरुषों ने भी कहा है कि जो व्यवहार हम अपने लिए अपेक्षित करते हैं, वही व्यवहार हमें सामने वाले के साथ करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ के सामने आया वजाहत खान का मामला ऐसा ही है, जिसमें हिन्दू देवी पर तो आपत्तिजनक पोस्ट कर रहा है लेकिन इस्लाम के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के विरुद्ध शिकायत दर्ज करा है। जब पलटकर किसी ने हिन्दू धर्म का अपमान करने के आरोप में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी, तो वह न्यायालय में पहुँच गया है। याद हो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनौली ने ऑपरेशन सिंदूर के समय भावावेश में आकर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हालांकि जब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ तो उसने बिना शर्त माफी भी माँग ली और अपना वह वीडियो भी हटा लिया था। लेकिन इसके बावजूद वजाहत खान ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी थी। हालांकि ऐसा करते समय वजाहत खान ने अपने गिरेबां में झांककर नहीं देखा कि वह क्या कर रहा है? जब आप अपनी आस्था पर कोई आपत्तिजनक टिप्पणी सुनना पसंद नहीं करते तब आपको दूसरों के देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणियां करने का अधिकार किसने दे दिया है? अच्छा ही हुआ कि वजाहत खान जैसों को आईना दिखाने के लिए हिन्दू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने पर उनके विरुद्ध भी प्रकरण दर्ज करा दिया गया है। अब उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझ आएगा। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा है कि लोगों को हेट स्पीच क्यों अटपटे और गलत नहीं लगते हैं। ऐसे कंटेंट पर नियंत्रण होना चाहिए। साथ ही लोगों को भी ऐसे नफरत भरे कंटेंट को शेयर करने और लाइक करने से बचना चाहिए।

इसी प्रकार, सर्वोच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय के बेहद आपत्तिजनक कार्टून को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए सख्त टिप्पणी की है। न्यायालय ने कार्टूनिस्ट की मानसिकता पर प्रश्न उठाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बनाए गए इस आपत्तिजनक कार्टून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने

कहा कि आजकल कार्टूनिस्ट और स्टैंडअप कॉमेडियन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। क्या ये लोग कुछ भी बनाने और बोलने से पहले सोचते नहीं है? न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इस प्रकार के घृणित व्यंग्य चित्रों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता है। हेमंत मालवीय के कार्टून में कोई परिपक्वता नहीं है। ये वास्तव में भड़काऊ है। याद हो कि इस कार्टूनिस्ट के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय भी फटकार लगा चुका है। उच्च न्यायालय ने जब कार्टूनिस्ट की जमानत याचिका खारिज की तो उसने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था लेकिन यहाँ भी उनके कृत्य पर कोई राहत नहीं मिली है। हेमंत मालवीय के कार्टून में कोई कलात्मक अभिव्यक्ति भी नहीं है। अपनी वैचारिक और राजनीतिक खुन्नस निकालने के लिए इस प्रकार के लोग कला को भी बदनाम करते हैं, जो अभिव्यक्ति की सशक्त माध्यम हैं। मजेदार तथ्य यह कि हेमंत मालवीय का बचाव कर रहे उनका भी वकील यह मानता है कि हाँ, ये घटिया कार्टून है। लेकिन क्या ये अपराध है? नहीं, यह अपराध नहीं हो सकता। यह आपत्तिजनक हो सकता है लेकिन अपराध नहीं। अब यह अपराध है या नहीं, यह तो न्यायालय तय करेगा लेकिन मालवीय का वकील कम से कम यह तो स्वीकार ही कर रहा है कि कार्टून घटिया है। आरोप यह हैं कि उनका कार्टून प्रधानमंत्री और एक राष्ट्रीय संगठन का अपमान ही नहीं करता है अपितु सांप्रदायिकता को भी भड़काता है। हेमंत मालवीय की शिकायत दर्ज करानेवाले सामाजिक कार्यकर्ता विनय जोशी आरोप लगाए हैं कि मालवीय ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करके हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ा। उनकी ओर से दर्ज करायी गई एफआईआर में कई 'आपत्तिजनक' पोस्ट का उल्लेख किया गया है, जिनमें भगवान शिव पर कथित रूप से अनुचित टिप्पणियों के साथ-साथ मोदी, आरएसएस कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के बारे में कार्टून, वीडियो, तस्वीरें और टिप्पणियाँ शामिल हैं। इससे स्पष्ट होता है कि हेमंत मालवीय ने पहली बार आपत्तिजनक कार्टून नहीं बनाया था, बल्कि यह उनका नियमित अभ्यास है। न्यायालय के अनुसार, इस प्रकार की प्रवृत्तियों को रोका जाना अत्यंत आवश्यक है।

बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय की इस सलाह पर नागरिक समाज को न केवल चिंतन-मनन करना चाहिए अपितु उसका अनुकरण भी करना चाहिए- नागरिकों को अपनी बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी की कीमत समझनी चाहिए और इसके साथ-साथ स्व-नियंत्रण और संयम का पालन करना चाहिए।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के तत्वाधान में होगा शिक्षक प्रशिक्षण एवं प्रतिभा सम्मान, जिले के 500 से अधिक शिक्षक प्रशिक्षण में सम्मिलित होंगे, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक देंगे प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

समाधान महाविद्यालय बेमेतरा में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन जिला बेमेतरा की बीते शनिवार को आवश्यक बैठक संपन्न हुई जिसमें आर टी ई पोर्टल के संबंध में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के सदस्य संचालकों एवं संचालक प्रतिनिधियों को दिया गया यह प्रशिक्षण संगठन के प्रदेश कार्यकारिणी के सहसचिव कृष्ण कुमार सोनी द्वारा प्रदान किया गया जो रॉयल पब्लिक स्कूल के संचालक हैं। इस अवसर पर महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर आरटीई पोर्टल और उसमें आ रही त्रुटि को सुधारने संबंधी प्रश्नोत्तरी भी किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अवधेश पटेल ने बताया कि संगठन की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जुलाई माह में 20 जुलाई आज रविवार को एक दिवसीय महत्वपूर्ण प्रशिक्षण 500 से अधिक शिक्षकों को एलंस पब्लिक स्कूल बेमेतरा में संगठन के द्वारा प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में बेमेतरा जिले के एसोसिएशन से जुड़े 500 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में दिल्ली मुनि इंटरनेशनल स्कूल के संचालक डॉक्टर अशोक ठाकुर जो एक इंटरनेशनल शिक्षाविद एवं लेखक हैं जिनके स्कूल को यूनेस्को ने वर्ल्ड स्टार के रैंकिंग में सातवां नंबर का अवार्ड प्रदान किया है जो देश में बजट स्कूल में सीबीएसई में पिछले 8 वर्षों से लगातार नंबर वन स्कूल बना हुआ है और जापान सरकार का एकमात्र भारत देश का पार्टनर स्कूल है आप संगठन के सदस्य शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, एवं इनके अलावा मुकेश शाह, शिक्षाविद डायरेक्टर शिवाजी इंग्लिश मीडियम स्कूल, गोविंद मुदलियार, शिक्षाविद, डॉ अवधेश पटेल, नेशनल मेमोरी एंड माइंड पावर ट्रेनर, एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षाविदों से प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन में बेमेतरा जिले के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान भी संगठन के माध्यम से किया जाएगा एवं प्रत्येक स्कूल से एक बेस्ट टीचर का भी सम्मान प्रदान किया जाएगा। मीटिंग में समूचे बेमेतरा जिले के लगभग 30 से अधिक संचालक गण एवं उनके प्रतिनिधि सम्मिलित हुए जिसमें मुख्य रूप से इंडियन पब्लिक स्कूल से संगठन के सचिव रामकुमार भारती न्यू गुरुकुल स्कूल नवागढ़ के संचालक गजपाल सिंह खुराना, गुरुकुल स्कूल से राजेशधर दीवान, विवेकानंद पब्लिक स्कूल से जितेंद्र सिंह राजपूत, दीक्षा पब्लिक स्कूल से मालिक राम वर्मा, बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा से डॉक्टर रेवाराम पाल, स्वामी विवेकानंद गुरुकुल विद्यालय से दिलहरण कुमार साहू, जय हिंद पब्लिक स्कूल से विवेक तिवारी, समर्थ पब्लिक स्कूल खाती से नोहर साहू, गुरु कृपा पब्लिक स्कूल से श्रीमती श्रीपति साहू, ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, बेमेतरा, सृजन पब्लिक स्कूल से राम सर, एवं माइंड्स आई इंटरनेशनल स्कूल, ललित विद्यालय नवागढ़, संस्कार पब्लिक स्कूल, सरस्वती ज्ञानदीप मंदिर वेदिता पब्लिक स्कूल, सूर्या पब्लिक स्कूल, गुरु कृपा पब्लिक स्कूल, रॉयल पब्लिक स्कूल, ज्ञानोदय विद्या निकेतन, सरस्वती ज्ञान मंदिर स्वामी विवेकानंद विद्यालय नवागढ़, आइडियल पब्लिक स्कूल, इंडियन पब्लिक स्कूल विभिन्न स्कूलों से संचालक गण एवं उनके प्रतिनिधि गण सम्मिलित हुए सभी ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने-अपने विचार साझा किया एवं पाठ्य पुस्तक को अति शीघ्र प्रदान करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को एवं पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखने की सहमति बनी।

खेती का आधुनिक युग: ''पावर टिलर बना बदलाव का आधार''

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में स्थित दंतेवाड़ा जिला, जो अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा, उपजाऊ मिट्टी और अनुकूल जलवायु के लिए जाना जाता है, अब जैविक खेती में एक नई दिशा की ओर अग्रसर हो चुका है। पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ-साथ अब आधुनिक यंत्रों का समावेश कर खेती को अधिक आसान और लाभकारी बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने किसानों को पावर टिलर वितरित कर यंत्रीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दंतेवाड़ा में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन उसमें सबसे बड़ी चुनौती श्रम और समय की अधिकता रही है। जैविक खादों, प्राकृतिक कीटनाशकों और पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के बावजूद खेत की तैयारी, खरपतवार नियंत्रण और खाद मिलाने जैसी गतिविधियों में काफी मेहनत लगती है। इस चुनौती से निपटने के लिए अब पावर टिलर जैसे उपकरण किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने हाल ही में 75 पावर टिलरों का वितरण किया है, जो कि महिला स्व-सहायता समूहों और प्रगतिशील किसानों को प्रदान किए गए हैं। यह वितरण न केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए किया गया है, बल्कि सामूहिक यंत्र उपयोग मॉडल को भी बढ़ावा दिया गया है, जिससे मशीनों का अधिकतम उपयोग हो सके। समूहों के माध्यम से यह पावर टिलर किराए पर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अन्य किसान भी इसका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही पावर टिलर का उपयोग जैविक खेती में बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। इससे खेत की गहरी जुताई, मिट्टी को बारीक करना और जैविक खादों को समरस रूप से मिलाने में आसानी हो रही है। जहां पहले पारंपरिक हल से खेत की जुताई में दो से तीन दिन लगते थे, वहीं अब यह काम कुछ ही घंटों में पूरा हो रहा है। इसके अलावा पावर टिलर का आकार छोटा और संचालन सरल होने के कारण यह छोटे जोत के किसानों के लिए भी उपयुक्त है। इस संबंध में हीरानार के किसान लूदरुराम और कासौली के सुरेश नाग बताते हैं कि पावर टिलर के उपयोग से खेती करना अब कहीं ज्यादा आसान हो गया है। उन्हें समय की बचत तो हो ही रही है, साथ ही उत्पादन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन और कृषि विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मल्टीपरपज मशीन न केवल जुताई के काम आती है, बल्कि मिट्टी पलटने, कतार बनाने, निंदाई-गुड़ाई, खाद मिलाने और ट्रॉली से परिवहन जैसे कार्यों में भी सहायक है। इससे श्रम लागत में भी कमी आई है, जिससे जैविक खेती अब और अधिक टिकाऊ और लाभदायक बन रही है। जिला प्रशासन की यह पहल कृषि क्षेत्र में तकनीक के समावेश का उत्कृष्ट उदाहरण है। पावर टिलर वितरण के माध्यम से न केवल जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि युवा किसान भी अब आधुनिक कृषि तकनीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में यह पहल दंतेवाड़ा को जैविक कृषि में एक मॉडल जिला बना सकती है, जहां परंपरा और तकनीक का संतुलन एक नई कृषि क्रांति को जन्म देगा।

2047 तक विकसित राज्य छत्तीसगढ़ का नारा भाजपा द्वारा जनता को भ्रमित करना है-गोपाल साहू, प्रदेश अध्यक्ष

रायपुर /मूक पत्रिका

आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा ÷2047 तक विकसित राज्य छत्तीसगढ़÷ के नारे पर चुटकी लेते हुए कहा है कि भाजपा सरकार महज जनता को भ्रमित कर रही है वर्तमान परिस्थितियों की बजाय 22 साल बाद का जनता को सपना दिखाया जा रहा है। जिस 2047 का जनता को सपना दिखाया जा रहा है उसमें आज की जनता से आधी आबादी तो जिंदा ही नहीं बचेंगे! यह वास्तविकता में कई कारणों से एक भ्रम या आकर्षक राजनीतिक सपना माना जा सकता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की दर अभी भी 30त्र से अधिक है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी, युक्तियुक्तकरण जैसी नीतियों से हालात और बिगड़े। डॉक्टरों, दवाइयों और संसाधनों की भारी कमी। श्चाष्ट और छ्राष्ट में बुनियादी सुविधाएं नहीं। युवाओं में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है। गोपाल साहू ने कहा कि प्रदेश के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी जो इतने विद्वान नेता हैं उन्हें याद दिला दूँ कि उच्च प्रति व्यक्ति आय,मजबूत औद्योगिक और कृषि आधार,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य,बेहतर बुनियादी ढांचा (सड़क, बिजली, इंटरनेट),न्यूनतम गरीबी और बेरोजगारी आदि विकसित राज्य के प्रमुख मानक होते हैं, छत्तीसगढ़ इनमें से कई मानकों से बहुत पीछे है। गोपाल साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का खनिज हब है, लेकिन स्थानीय लोग अब भी गरीब हैं। औद्योगिकीकरण से विस्थापन और प्रदूषण: उद्योग लगे, लेकिन स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं, बल्कि विस्थापन और जंगलों की कटाई बढ़ी। शराब घोटाला, राशन घोटाला, स्वास्थ्य योजनाओं में भ्रष्टाचार जैसी घटनाएं आम हैं। सरकार बदलने पर योजनाएं बदल जाती हैं। विकास मॉडल आदिवासी समाज को हाशिए पर धकेल रहा है, इसलिए यह 2047 का सपना भ्रम है! गोपाल साहू ने कहा कि किसी भी राज्य के असली विकास के लिए स्थानीय संसाधनों का लाभ जनता को मिले,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश हो,पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार पर रोक रहे,स्थानीय रोजगार सृजन हो और पर्यावरण संतुलन के साथ उद्योग नीति का भी कारगर होना विकसित राज्य का पैमाना होता है.

दारापाल की कच्चा घाटी में बना कंटूर ट्रेंच, किसानों को मिल रहा लाभ

मनरेगा योजना से जल संरक्षण और भूमि सुधार की दिशा में सराहनीय पहल

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर दंतेवाड़ा सीमा से लगे ग्राम पंचायत दारापाल स्थित कच्चा घाटी में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 300 नग कंटूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है। इस पहल से जहां जल संरक्षण को बढ़ावा मिला है, वहीं नीचे बसे किसानों की 150 एकड़ कृषि भूमि को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। पहले तेज़ ढलान के कारण पानी तेज़ी से बहकर खेतों को नुकसान पहुंचाता था, लेकिन ट्रेंच निर्माण के बाद जमीन में नमी बनी हुई है और जल प्रवाह नियंत्रित हुआ है। इसके अलावा घाटी के नीचे तालाब का भी निर्माण कराया गया है, जिससे पानी को रोका जा सके। इस कार्य में 4.68 लाख रुपये की लागत से 1929 मानव दिवस का सृजन हुआ।

ग्राम पंचायत के तकनीकी सहायक कुसुम भास्कर ने बताया कि यह कार्य कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार के मार्गदर्शन में किया गया है। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन को लेकर जिले में ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसान राजकुमार कश्यप, जिनकी 7 एकड़ जमीन घाटी के नीचे है, ने बताया कि, ÷पहले बारिश के पानी से खेतों में झाड़ियाँ और मलबा आ जाता था, लेकिन अब फसल सुरक्षित है और मुझे इस कार्य में मजदूरी भी मिली है।÷

महामंत्री के खिलाफटिप्पणी से नाराज कांग्रेसी पहुंचे थाना कोतवाली कोंडागांव

दीपक वैष्णव के खिलाफ रिपोर्ट लिखाकर त्वरित कार्यवाही की करी मांग

कोंडागांव/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी रितेश पटेल के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कांग्रेस पदाधिकारी कोंडागांव थाना कोतवाली पहुंच टिप्पणी करने वाले शख्स दीपक वैष्णव के खिलाफ लिखित शिकायत देते हुए त्वरित कार्यवाही की मांग की है। ज्ञात हो की रितेश पटेल कांग्रेस महामंत्री होने के साथ साथ दैनिक रुद्रपथ समाचार पत्र के सम्पादक हैं मरार पटेल समाज के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष हैं सर्व पिछड़ा वर्ग समाज कोंडागांव जिलाध्यक्ष हैं जिनके खिलाफ रात लगभग 12 बजे कोंडागांव प्रेस क्लब व्हाट्सअप ग्रुप मे अनर्गल टिप्पणी की गयी है जिसका स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया मे वायरल भी हो रहा है इससे कांग्रेस कार्यकर्ताओ मे भारी नाराजगी है साथ ही सामाजिक जनों मे भी रोश व्याप्त है शिकायत पत्र मे त्वरित कार्यवाही का निवेदन किया गया है साथ ही कार्यवाही मे देरी होने पर माहौल खराब होने की स्थिति मे सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन का होगा ऐसा उल्लेख है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष झूमुक दीवान, शहर अध्यक्ष तरुण गोलछा,प्रदेश सचिव सकुर खान,कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन,जिला सचिव द्वय हीरा दीवान, उमर मेमन, मंडल अध्यक्ष नंदू दीवान सहित कांग्रेस जन मौजूद रहे।

शैक्षणिक सत्र-2025 के तहत हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में शिक्षा गुणवत्ता कार्ययोजना के संबंध में हुई समीक्षा बैठक

- कक्षा 10 वीं और 12 वीं हेतु उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के लिए समर्पित समयबद्ध तैयारी सतत मूल्यांकन पर कलेक्टर ने दिया जोर, सटीक शैक्षणिक रणनीति कार्ययोजना एवं व्यक्ति गत प्रयासों से मिलेंगे उत्साह जनक नतीजे-कलेक्टर दुदावत

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में बीते शनिवार को शैक्षणिक सत्र-2025 के तहत हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में शिक्षा गुणवत्ता कार्य योजना शिक्षण प्रक्रिया को अधिक संगठित समर्पित समयबद्ध तैयारी सतत मूल्यांकन के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के अंतर्गत परीक्षा परिणाम सत्र-2024-25, विकासखण्डवार शालाओं का प्रदर्शन, टेस्ट श्रृंखला वार्षिक कैलेंडर 2025-26 के लिए कक्षा-10 वीं एवं 12 वीं हेतु विशेष योजना, यूथ ईको क्लब, गणित एवं विज्ञान क्लब के गठन की प्रक्रिया, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, करियर काउंसलिंग कार्यक्रम की विशेष रूप से समीक्षा हुई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शालाओं का प्रथम लक्ष्य सभी छात्रों को प्रथम श्रेणी अंतर्गत उत्तीर्ण करना सुनिश्चित करना होगा। इसके साथ ही सभी शाला प्रमुख छात्रों से प्रश्नों के आवश्यकता अनुरूप सही उत्तर सही पैटर्न में लिखने का अभ्यास करवाएं, क्योंकि छात्रों की उत्तर लिखने की शैली भी परीक्षा परिणामों को प्रभावित करती है। इसके लिए विषयवार शिक्षकों की व्यक्तिगत बैठक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। मासिक टेस्ट सभी शालाओं में अनिवार्य रूप होने चाहिए ताकि एक माह में जो पढ़ाई की गई उसका वास्तविक मूल्यांकन हो सके। बीईओ इस संबंध में मासिक बैठक अवश्य लेगें। इस के तहत आगामी अगस्त में पुनरीक्षण बैठक होगी। इसके अलावा जिन-जिन शालाओं में पूर्व सत्र में बेहतर परिणाम आए है उनकी रणनीति एवं विशेष प्रयासों को अपने शालाओं भी लागू करने के निर्देष भी बैठक में दिए गए। इसके साथ ही कलेक्टर ने विकासखण्डवार बोर्ड परीक्षा परिणाम का समीक्षा करते हुए कहा कि कई हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में परीक्षा परिणाम अपेक्षा अनुरूप नही है। इसके लिए शिक्षण सत्र के प्रारंभ से ही कार्य योजना बनाकर आगामी परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाना अपेक्षित रहेगा। इसमें समस्त स्टाफ की जवाबदेही तय की जायेगी। क्योकि अगर दूसरे विद्यालय उसी पाठ्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन कर रहे है तो निश्चित ही स्वयं के विद्यालय में कमिया जाहिर होती है। हिन्दी जैसे विषयों में छात्रों का कम अंक आना वास्तव में चिंता का विषय है। इसके लिए सभी बीईओ, प्राचार्य को व्यक्तिगत रूचि लेकर अतिरिक्त शैक्षणिक प्रयास की जरूरत है। इसके लिए शिक्षा सत्र के प्रारंभ से ही अतिरिक्त क्लास, उत्तर लेखन कौशल, पढ़ाएं गए अध्यायों के पुनरावृत्ति, कमजोर छात्रों विशेष ध्यान, पिछले वर्षो की उत्तर पुस्तिकाओं का विश्लेषण,प्रश्न बैंक एवं परीक्षा पूर्व मानसिक तैयारी यह लक्ष्य प्राप्त किए जाए। बैठक में कलेक्टर ने इसके साथ ही शालाओं को अधोसंरचना, शौचालय, प्रयोगशालाओं की स्थिति, उसमें उपकरणों की आवश्यकता,पेयजल की उपलब्धता विषय अनुरूप शिक्षकों की आवश्यकता के संबंध में बैठक जानकारी चाही। इसके लिए उन्होंने सभी प्राचार्यो से मांग अनुसार प्रपत्र तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में एजेंडा अनुसार कक्षा 10 वीं और 12 वीं शत प्रतिशत उत्तीर्णता सुनिश्चित करने के लिए टेस्ट श्रृंखला की कार्ययोजना, उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के शिक्षार्थियों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्रदान करने, करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत 9 वीं और 12 वीं तक छात्रों को उनके करियर के संबंध में मार्गदर्शन देवें, राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के संबंध में शाला विकासखण्ड एवं जिला स्तरीय आयोजन, यूथ ईको क्लब एवं गणित एवं विज्ञान क्लब के संबंध में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

सांसद महेश कश्यप ने किया जिला अस्पताल बीजापुर का औचक निरीक्षण

डॉक्टरों की कमी और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार के दिये निर्देश

बीजापुर /मूक पत्रिका

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने बीते शुक्रवार को जिला अस्पताल बीजापुर का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, मरीजों को मिल रही सुविधाओं, दवा आपूर्ति और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. बी.एल. पुजारी भी मौजूद रहे।अस्पताल में व्याप्त डॉक्टरों की कमी को लेकर अस्पताल प्रबंधन द्वारा सांसद को अवगत कराया गया। सांसद महेश कश्यप ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि बीजापुर जैसे दूरस्थ और संवेदनशील ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए राज्य व केंद्र स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

सांसद ने सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. रत्ना ठाकुर को स्पष्ट निर्देश दिए कि मौजूदा संसाधनों में भी बेहतर प्रबंधन कर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं दी जाएं। उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और दवाओं की नियमित उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान सांसद ने वार्डों में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। कुछ मरीजों ने इलाज व दवा की उपलब्धता को लेकर संतोष व्यक्त किया, जबकि कुछ ने अस्पताल की सफाई और लंबी प्रतीक्षा समय एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों के कमी की भी शिकायतें की। सांसद कश्यप ने बातचीत में बताया जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। बीजापुर में डॉक्टरों की कमी को गंभीरता से लिया गया है और इसे दूर करने हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

आरटीआई से हुआ खुलासा जिले में एक भी पैथालॉजी लैब नहीं है वैध, स्वास्थ्य विभाग आंखें मूंदे है बैठा

दंतेवाड़ा जिले में एक भी पैथालॉजी नहीं है वैध, जांच के नाम पर मरीजों के जान के साथ हो रहा खिलवाड़

स्वास्थ्य विभाग समय समय पर केवल जांच की करता है खाना पुर्ति. नहीं होती अवैध लैबों पर कोई कार्रवाई

जिला कलेक्टर को भी अवैध तरीके से चल रहे लैबों की दी गई है जानकारी

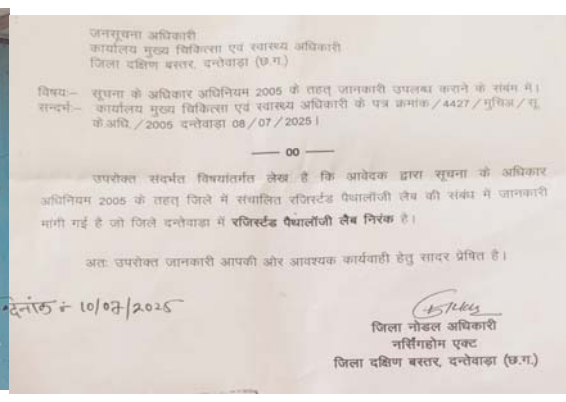

जनसूचना अधिकारी
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला दक्षिण बस्तर, दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

विषय:- सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत् जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में।
सन्दर्भ:- कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पत्र क्रमांक/4427/मुचिस्वा/सू.के.अधि./2005 दन्तेवाड़ा 08/07/2025।

— 00 —

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत् जिले में संचालित रजिस्टर्ड पैथालॉजी लैब की संबंध में जानकारी मांगी गई है जो जिले दन्तेवाड़ा में **रजिस्टर्ड पैथालॉजी लैब निरंक** है।

अतः उपरोक्त जानकारी आपकी ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित है।

दिनांक :- 10/07/2025

जिला नोडल अधिकारी
नर्सिंगहोम एक्ट
जिला दक्षिण बस्तर, दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले में तमाम पैथालॉली लैब अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। इसकी जानकारी एक आरटीआई से प्राप्त हुई है। जिले में कुकुरमुत्ते की तरह बढ़ रहे अवैध लैबों की पड़ताल की गई तो पाया गया कि एक भी लैब उस मानक पर खरा नहीं है जो नर्सिंग होम एक्ट के नियम का पालन करता हो। सभी लैब फर्जी तरीके से संचालित कर मरीजों को जांच रिपोर्ट दे रहे हैं। यह बहुत ही गंभीर मुद्दा है सबसे आश्चर्य की बात यह कि इस मामले में स्वास्थ्य विभाग भी आंखे मूंदे बैठा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की यह महती जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे अवैध पैथालॉजी पर जांच कारवाई करे मगर ऐसा नहीं हो रहा है। एक तरह से देखों तो इन अवैध लैब संचालकों को कहीं ना कहीं स्वास्थ्य विभाग का संरक्षण प्राप्त है। गौरतलब है कि जिले में बीते कई सालों से करीब 50 से 60 की संख्या में प्राइववेट पैथालाजी लैब संचालित हो रहे हैं। लैबों का संचालन नियमतः नर्सिंग होम एक्ट के तहत किया जाना होता है मगर दंतेवाड़ा में जितने भी लैब संचालित हो रहे हैं इनमें से एक में भी नर्सिंग होम एक्ट का पालन नहीं किया जा रहा है। इन लैबों में थायराईड, शुगर, क्रेटेनाईन, मलेरिया, सीबीसी, आरबीसी, एलएफ्टी, मूत्र, डेंगू केलोस्ट्रोल, एचबी, 1 सी, एक्सरा , सोनोग्राफी जैसी लगभग 150चीजों की जांच होती है। कायदे से जांच रि पोर्ट में पैथोलॉजिस्ट के साईन होने चाहिए वहीं लैब संचालक ऐसा न कर जांच रिपोर्ट में पैथोलाजिस्ट के हस्ताक्षर नमूना कंप्यूटर से निकालकर खुद हस्ताक्षर कर उसी रिपोर्ट को मरीजों को थमा दिया जाता है। जांच के नाम पर मरीजों से मोटी रकम भी ये लेते हैं। रिपोर्ट सही है या गलत इससे उनको कोई मतलब नहीं होता है। कई बार क्रास जांच कराने पर गलत रिपोर्ट होने की जानकारी मरीजों को मिली है। कई बार विवाद की स्थिति भी निर्मित होती है। जांच के नाम पर ग्रामीण मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले में लैबों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने जब एक आरटीआई लगाकर जानकारी मांगी गई तो सीएमएचओ कार्यालय से जानकारी प्रदान की गई है जिसमें स्पष्ट कहा गया है जिसका कोई रिकॉर्ड हमारे पास नहीं है। जिले में एक भी रजिस्टर्ड लैब नहीं है। सारे लैब अवैध है। स्वास्थ्य विभाग ने वैध लैबों की संख्या निरंक बताया है। यह भी जानकारी है कि अब तक किसी भी पैथालाजी संचालक ने पंजीयन के लिए आवेदन तक नहीं दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह कि जब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी यह मालुम है कि जिले में चल रहे तमाम पैथालौजी लैब अवैध है तो फिर इन अवैध फर्जी लैब संचालकों पर अब तक कोई कारवाई क्यों नहीं की गई? इसे बंद क्यों नहीं करवाया गया है? पुछने पर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी का कहना होता है कि पैथालॉजी लैब संचालकों का किसी ना किसी राजनैतिक पार्टी से तालुक होता है जांच कारवाई करते ही राजनीतिक दबाव आने शुरू हो जाते है। कारवाई भी समय समय पर होती है। लैबों पर तालाबंदी भी किया जाता है। सीएमएचओ अजय रामटेके ने स्वयं यह कबुल भी किया है कि जिले में चल रहे एक भी पैथालाजि लैब अवैध है इनके आस पैथोलॉजिस्ट डॉ नहीं हैं तो लैब संचालक आखिर कहां से जांच रिपोर्ट सही देंगे। हम कारवाई करते हैं तो लैब संचालक हम पर कारवाई न करने का राजनैतिक दबाव बनवाते हैं। बहरहाल जिले में चल रहे अवैध पैथोलॉजी लैबों की जानकारी के विषय में आरटीआई आवेदक ने कलेक्टर से मिलकर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत भी करा दिया है जिस पर कलेक्टर ने जांच कर उचित कारवाई का आश्वासन दिया है। जिला स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी आईएएस जिला पंचायत जयंत नहाटा जी को भी दी जा चुकी है अब ये देखने वाली बात है कब तक अवैद्य लैबो में लगाम लगाया जाएगा।

पैथालाजी लैब संचालक के लिए शासन द्वारा निर्धारित नियम व शर्ते :-1 सबसे पहले लैब का स्वास्थ्य विभाग में रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य होता है।

2 लैब में मरीजों के जांच के लिए लैब टेक्रिशियन होना चाहिए.3 लैब संचालन जिनके नाम से है वहीं व्यक्ति जांच करेगा।4 लैब में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होता है ताकि खतरनाक पदार्थो का उचित निपटान हो।5 नमूना संग्रहण और परिवहन के लिए उचित प्रकिया होनी चाहिए ताकि नमूनों सही बने रहे। 6 स्वास्थ्य अधिकारी को नियमित रूप से लैबों का निरीक्षण करना चाहिए ताकि सुनिश्चित हो सके कि नियमों का पालन हो रहा है।

अवैध लैबों पर क्या कारवाई की जा सकती है :-1 अवैध लैब को सील किया जाएगा.2 अवैध लैब संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जाता है।3 अवैध लैब संचालक करने र संचालक के खिलाफ 6 महिना से 2 साल तक की सजा या जुर्माना का प्रावधान है।

पत्रकार को धमकी भरा नोटिस, कांग्रेस संचार प्रभारी सुशील आनंद शुक्ला पर गंभीर आरोप

मूक पत्रिका/रायपुर - छत्तीसगढ़ की मीडिया और राजनीति के गलियारों में एक नई बहस ने जन्म ले लिया है। कांग्रेस पार्टी के मीडिया संचार प्रभारी सुशील आनंद शुक्ला द्वारा वरिष्ठ पत्रकार विप्लव दत्ता को नोटिस भेजे जाने के बाद पत्रकारों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब 16 जुलाई को पत्रकार विप्लव दत्ता ने एक समाचार प्रकाशित किया, जिसमें सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि कांग्रेस संचार प्रभारी का पद बदला जा सकता है और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से उनका सामंजस्य नहीं रह गया है। इस खबर के प्रकाशित होने के बाद सुशील आनंद शुक्ला ने पत्रकार को नोटिस भेजा, जिसमें समाचार डिलीट करने और माफी मांगने जैसी बातें लिखी गई थीं। पत्रकारों का कहना है कि यह कदम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है और मीडिया को मानसिक रूप से दबाव में लाने की कोशिश है।

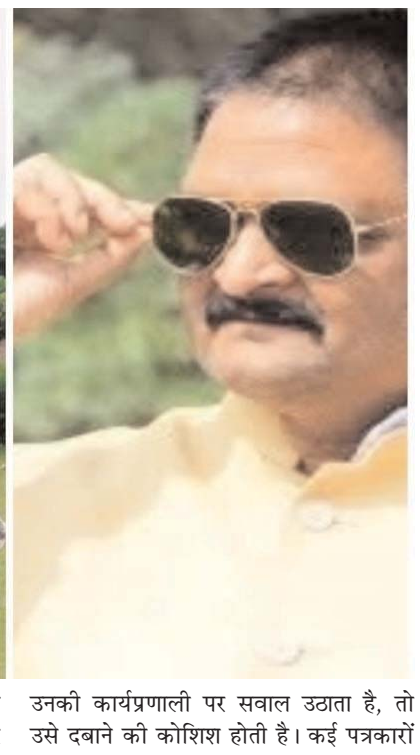

पत्रकार संगठनों में नाराजगी, राष्ट्रीय नेतृत्व को पत्र की तैयारी- पत्रकारों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक व्यवस्था और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात तो करती है, लेकिन जब कोई पत्रकार उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, तो उसे दबाने की कोशिश होती है। कई पत्रकारों ने यह भी कहा कि वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को पत्र लिखकर सुशील आनंद शुक्ला को पद से हटाने की मांग करेंगे।

सूत्रों के हवाले से खबर पर नोटिस: पत्रकारिता पर सीधा हमला- वरिष्ठ पत्रकार विप्लव दत्ता ने यह स्पष्ट किया है कि उन्होंने खबर केवल सूत्रों के हवाले से प्रकाशित की थी, जैसा कि मुख्यधारा की पत्रकारिता में आम चलन है। बावजूद इसके, उन्हें नोटिस थमा दिया गया, जिसे पत्रकार जगत उनके मनोबल को तोड़ने की कोशिश माना रहा है।

पहले भी लग चुके हैं आरोप- यह पहला मामला नहीं है जब कांग्रेस नेता सुशील आनंद शुक्ला विवादों में आए हों। इससे पहले महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा ने भी उन पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिनमें अशोभनीय व्यवहार और अनुचित प्रस्ताव जैसी बातें शामिल थीं।

पत्रकारिता को दबाने की साजिश?- मीडिया समुदाय का मानना है कि यह घटना एक चिंताजनक संकेत है, जहां पत्रकारों को केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे सत्ता से सवाल पूछ रहे हैं। पत्रकारों ने इस कदम को इमरजेंसी की याद दिलाने वाला बताया है, जब इंदिरा गांधी के शासनकाल में मीडिया की आजादी पर पहरा बैठा दिया गया था।

अब सवाल यह है—क्या कांग्रेस अब भी अभिव्यक्ति की आजादी से डरती है?- पत्रकारों की मांग है कि लोकतंत्र में सवाल उठाना गुनाह नहीं होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अब भी उस पुरानी शैली में यकीन रखती है, जिसमें असहमति को दबाया जाता है, या फिर वह एक खुले और उत्तरदायी लोकतंत्र की समर्थक है।

सुनील आनंद शुक्ला, मीडिया संचार प्रभारी : गलत तरीके से समाचार चलाया गया था इसलिए हमारे वकील द्वारा नोटिस दिया गया है।

गौरीशंकर श्रीवास प्रवक्ता भाजपा: एक चरित्र हीन व्यक्ति ने जिन पर, उनकी पार्टी की महिला ने गंभीर आरोप लगाए थे वह व्यक्ति गुंडा की तरह पत्रकारों को नोटिस देकर धमकाने की कोशिश कर रहे है। ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता का नशा अभी उतरा नहीं , प्रदेश में विष्णुदेव की सुशासन की सरकार है पत्रकारों के साथ हम खड़े रहेंगे और इस लड़ाई को लड़ेंगे

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रम्प ने जेफ्री एप्सटीन से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी सामने लाने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के स्पीकर माइक जॉनसन के जेफ्री एप्सटीन से जुड़े दस्तावेज सामने लाने की मांग के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉनी जनरल पाम बॉन्डी से विश्वसनीय जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। हालांकि, पहले ट्रम्प ने कहा था कि एप्सटीन का मामला अब पुराना है और देश को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बॉन्डी का समर्थन करते हुए कहा कि वह जो दस्तावेज ठीक समझें, उन्हें जारी कर सकती हैं। इसके चलते ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों में गुस्सा बढ़ गया था क्योंकि खुद ट्रम्प 10 साल से एपस्टीन फाइल्स को अपने विरोधियों पर सियासी हमले करने के लिए इस्तेमाल करते रहे हैं। बॉन्डी ने एप्सटीन पर सवालों से बचते हुए कहा था कि उनका ध्यान ड्रग्स और मानव तस्करी जैसे बड़े मुद्दों पर है। एप्सटीन एक फाइनेंसर थे, जिन्होंने 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली थी।

कैलिफोर्निया बुलेट ट्रेन को ट्रंप सरकार का झटका, 4 अरब डॉलर की फंडिंग ली वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया की बुलेट ट्रेन परियोजना की धनराशि वापस ले ली है, जिससे इस बात को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है कि राज्य प्रशासन सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस के बीच इस परियोजना के अपने पुराने वादे को कैसे पूरा कर पाएगा। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि वह इस परियोजना की चार अरब अमेरिकी डॉलर की राशि वापस ले रहा है। हालांकि, उसने कुछ सप्ताह पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे। परियोजना के लिए एक-चौथाई से भी कम राशि संघीय सरकार की ओर से दी गई थी जबकि शेष धनराशि राज्य सरकार ने मुहैया कराई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और परिवहन मंत्री सीन डफी, दोनों ने इस परियोजना की कड़ी आलोचना की और इसे ''कहीं नहीं जाने वाली ट्रेन%% बताया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''जिस रेलमार्ग का हमसे वादा किया गया था, वह आज तक नहीं बना और कभी बनेगा भी नहीं। इस परियोजना की लागत बहुत अधिक है और यह नियमों के पचड़ों में फंस चुकी है.

कंबोडिया में साइबर अपराध पर नकेल, 1000 गिरफ्तार

नामपेन्ह, एजेंसी। एशियाई देश कंबोडिया में साइबर अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो रही है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने देश में आपराधिक साइबर कृत्यों पर नकेल कसने और कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी का नतीजा है कि महज एक हफ्ते में 1,000 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री मानेट ने सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को बरकरार रखने और संरक्षित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कंबोडिया में, विदेशी आपराधिक समूह ऑनलाइन घोटाले करने के लिए घुसपैठ कर चुके हैं। साइबर अपराध के अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह प्रतिवर्ष अरबों डॉलर कमाते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों का अनुमान है कि अधिकांश साइबर घोटालों के तार दक्षिण-पूर्व एशिया से जुड़े होते हैं। इन्हीं बातों के मद्देनजर देश की सरकार सख्त कदम उठा रही है। साइबर स्कैम और जुए के धंधों के लिए कुख्यात थाईलैंड की सीमा से सटे कंबोडियाई शहर पोइपेट में बुधवार को 45 महिलाओं समेत कम से कम 270 इंडोनेशियाई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, उत्तरपूर्वी प्रांत क्राटी में पुलिस ने थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार और वियतनाम के नागरिकों समेत 312 लोगों को गिरफ्तार किया।

बेल्जियम के टुमॉरोलैंड संगीत समारोह के मुख्य मंच में लगी आग

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम में होने वाले टुमॉरोलैंड म्यूजिक फेस्टिवल के शुरू होने से दो दिन पहले, बुधवार को इसके मुख्य मंच में आग लग गई। आयोजकों ने बताया कि आग से मंच को काफी नुकसान पहुंचा है। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सोशल मीडिया और खबरों में आई तस्वीरों में दिखा कि आग की लपटें मंच को घेर रही थीं और धुआं आसमान में फैल रहा था।

बांग्लादेश में भड़की हिंसा, 4 की मौत

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में हिंसा का दौर फिर से शुरू हो गया है। नेशनल सिटिजन पार्टी की ओर से आयोजित रैली के दौरान बुधवार को भीषण हिंसा हुई और इसमें 4 लोग मारे गए हैं। यह हिंसा शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेशनल सिटिजन पार्टी के लोगों के बीच हुई। गोपालगंज में पूरे दिन ही रुक-रुककर झड़पें होती रहीं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। यह घटनाक्रम अहम है क्योंकि गोपालगंज शेख हसीना का होमटाउन है। उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान का जन्म यहीं हुआ था। जिले के पोरा पार्क में सिटिजन पार्टी की रैली का आयोजन होना था और उससे पहले हिंसक झड़पें शुरू हो गईं।

बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इस रैली का अवामी लीग के लोग विरोध कर रहे थे। उनकी ओर से रैली का रास्ता रोकने के लिए कई जगहों पर पेड़ों को काटकर डाल दिया गया था। इसके अलावा हथियारों से लैस होकर रास्तों पर उन्हें घेरने का भी आरोप है। इसके अलावा आरोप यह भी है कि उन लोगों ने सरकारी वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। इसके बाद नेशनल सिटिजन पार्टी के रैली स्थल पर भी हमला होने का आरोप है। बता दें कि बांग्लादेश में अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर रोक प्रतिबंध लगा दिया गया है। फिलहाल दक्षिणी जिले में सरकार ने कर्फ्यू लगा दिया है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। इसके अलावा गोपालगंज जिले में स्कूली परीक्षाओं तक को स्थगित कर दिया गया है। गोपालगंज के सिविल सर्जन अबू सैयद मोहम्मद फारूक का कहना है कि इस हिंसा में 4 लोग मारे गए हैं और 13 घायल हुए हैं। मारे गए लोगों की पहचान दीप्तो साहा, रमजान काजी, सोहले और ईमान के तौर पर हुई है। दीप्तो साहा के परिजनों का कहना है कि उनका बेटा किसी भी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ा था। वह घर से लंच करने के बाद दुकान लौट रहा था। इसी दौरान उसके पेट पर गोली मार दी गई।

हालांकि यह फायरिंग सुरक्षाबलों की ओर से किए जाने की बात सामने आ रही है। एक दुकानदार ने कहा कि सुरक्षाबलों ने जब फायरिंग की तो दो लोगों को गोलियां लगीं और मैंने उन्हें जमीन पर नीचे गिरते हुए देखा। माना जा रहा है कि इस हिंसा के बाद भारत में निर्वासित होकर रह रहीं शेख हसीना की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उनकी पार्टी के लोगों पर सरकारी ऐक्शन तेज हो सकता है। पहले ही अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा उसके कार्यकर्ता भी ज्यादातर शहरों में भूमिगत होकर जी रहे हैं।

हिंसा के बाद भी एनसीपी ने रैली की, गोपालगंज में 22 घंटे कर्फ्यू हिंसा के बावजूद एनसीपीने गोपालगंज में अपनी रैली पूरी की। क्षतिग्रस्त मंच पर टूटी हुए साउंड सिस्टम के साथ नेताओं ने भाषण दिए। एनसीपी के संस्थापक और कन्वीनर नाहिद इस्लाम ने रैली की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि अगर सुरक्षा एजेंसियों ने हमें न्याय नहीं दिया, तो हम अपने लिए न्याय खुद लेंगे।

एनसीपी नेता सरजिस आलम ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, गोपालगंज में, हत्यारी हसीना के गुर्गों ने हम पर हमला किया। पुलिस बस खड़ी होकर तमाशा देखती और पीछे हट गई। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के ऑफिस ने गोपालगंज में बुधवार रात आठ बजे से अगले 22 घंटे का कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है। गोपालगंज में पैरामिलिट्री बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के लगभग 200 सैनिकों को गोपालगंज में तैनात किया गया है।

बांग्लादेश में एनसीपी एक नया उभरता राजनीतिक दल है। 28 फरवरी 2025 को इसका गठन हुआ। यह छात्रों के नेतृत्व वाला पहला राजनीतिक दल माना जाता है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को इसका समर्थन मिला हुआ है। यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, युवाओं को उनके क्रांतिकारी आंदोलन की एक साल की सालगिरह मनाने के लिए शांतिपूर्ण रैली करने से रोकना उनके मौलिक अधिकारों का शर्मनाक उल्लंघन है। यूनुस ने हिंसा के लिए हसीना की अवामी लीग पार्टी और उसके छात्र समूह को जिम्मेदार ठहराया।

बलूचिस्तान में बस पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 3 लोगों की मौत और 7 घायल

क्वेटा, एजेंसी।
पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन ही प्रांत में कहीं न कहीं आपराधिक घटनाओं के मामले सामने आते रहते हैं। कुछ दिन पहले एक बस से 9 यात्रियों को किडनैप करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। अब बलूचिस्तान में एक और बस को निशाना बनाया गया है। कराची से क्वेटा जा रही यात्रियों से भरी एक बस पर बंदूकधारियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। यह हमला बुधवार को कलात शहर में एक चेकपोस्ट के पास हुई।

बलूचिस्तान के कलात में यात्रियों से भरी बस पर गोलीबारी में 3 यात्रियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मरने वाले तीनों यात्री कव्वाली गायक थे और कराची से क्वेटा, एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए जा रहे थे। गंभीर रूप से घायल लोगों को क्वेटा के अस्पताल में भेजा गया है। मशहूर कव्वाल माजिद अली साबरी ने बताया कि उनके भाई, भतीजे और लोग शादी समारोह में प्रदर्शन के लिए क्वेटा जा रहे थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने सड़क के दोनों ओर से हमला किया। मुख्यमंत्री मिर्जा सरफराज बुगती ने इस हमले की निंदा की और इसे फितना अल हिंदुस्तान आतंकी संगठनों का काम बताया। उन्होंने कहा- निर्दोष नागरिकों पर हमला गंभीर अपराध है।

ट्रंप सरकार के खिलाफ सड़कों पर लोग

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ विरोध बढ़ता जा रहा है। यही वजह है कि गुरुवार को सरकार के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर अप्रवासन नीति और स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती के खिलाफ लोगों में गहरी नाराजगी है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका में नेशनल एक्शन डे भी है, जो नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जॉन लेविस के सम्मान में आयोजित किया जाता है। नेशनल एक्शन डे पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ देशभर में 1600 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन होंगे।

कई सामाजिक संगठन इन विरोध प्रदर्शनों का आयोजन कर रहे हैं। ऐसे ही एक संगठन पब्लिक सिटीजन की सह-अध्यक्ष लिजा गिलबर्ट ने कहा कि हम बेहद खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस सरकार में नागरिक अधिकार, आजादी और लोकतंत्र को चुनौती दी जा रही है। अटलांटा, सेंट लुइस, ऑकलैंड, कैलिफोर्निया, एनापोलिस और मैरीलैंड में भी विरोध प्रदर्शन होंगे। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया हुआ है। इस सरकार में अभी तक लाखों अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से निकाला जा चुका है और लाखों पर निर्वासन की तलवार लटक रही है। बीते माह अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती के आदेश दिए थे। इस पर भी खूब विवाद हुआ था। कैलिफोर्निया के डेमोक्रेट गवर्नर ने इसे राज्य सरकार के अधिकार में दखल करार दिया था। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन बजट में स्वास्थ्य सेवाओं में कटौती करने की तैयारी कर रहा है। इस कटौती के बाद लाखों लोग स्वास्थ्य बीमा से बाहर हो जाएंगे।

बांग्लादेश में फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर गिराने पर रोक

भारत ने रोकने की अपील की थी, अब इसे फिर से बनाया जाएगा

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में भारत के मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पैतृक घर के तोड़े जाने पर रोक लगा दी गई है। सत्यजीत रे के पुरखों के घर मैमनसिंह शहर में है। अधिकारियों ने अब यह तय करने के लिए एक समिति बनाई है कि इस घर को दोबारा कैसे बनाया जा सकता है। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस तोड़फोड़ का विरोध करते हुए कहा कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है।

सत्यजीत रे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर, लेखक, संगीतकार और चित्रकार थे। उन्हें विश्व सिनेमा के बड़े फिल्मकारों में से एक माना जाता है। बांग्लादेश में सत्यजीत रे का घर लगभग सौ साल पहले बनाया गया था। 1947 में बंटवारे के बाद यह संपत्ति बांग्लादेश सरकार के अधीन हो गई थी।

प्रशासन ने अपनी गलती मानी यह घर दरअसल सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध लेखक उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा है। हालांकि, बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी फैसल महमूद ने बताया कि सत्यजीत रे खुद कभी इस घर में नहीं रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उपेंद्रकिशोर भी शायद इस घर में नहीं रहे थे, क्योंकि वह पास के किशोरगंज जिले के कोटियाडी नाम की जगह में रहते थे। वहां उनका असली घर आज भी है और उसे विरासत स्थल के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश की विरासत सूची में ऐसे 531 संरक्षित स्थल हैं, लेकिन मैमनसिंह वाला यह घर उस सूची में नहीं था। यह प्रशासन की गलती थी कि इस घर को विरासत स्थल के रूप में नहीं जोड़ा गया, इसलिए इसे बचाने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। फिर भी अब जब इस पर विवाद हुआ है, तो सरकार इस पर दोबारा विचार कर रही है। भारत सरकार ने जताई थी चिंता फैसल महमूद ने कहा कि सत्यजीत रे सिर्फ भारत या बांग्लादेश के नहीं हैं, वह पूरी दुनिया की धरोहर हैं। वे सभी बांग्लादेशियों के लिए भी गौरव हैं।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी वापस ली गई ,एक हफ्ते में 400 भूकंप दर्ज किए गए

जूनो, एजेंसी।
अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप अलास्का के पॉपोफ आइलैंड पर सैंड पॉइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था। मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 7.0 से 7.9 तीव्रता वाला भूकंप नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है। अलास्का में हर साल लगभग 10-15 ऐसे भूकंप दर्ज किए जाते हैं।

लोगों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील: भूकंप के बाद, सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलास्का के कुछ तटीय हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सैंड पॉइंट के दक्षिण में आया यह भूकंप प्रशांत और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के बीच सबडक्शन जोन पर या उसके पास थ्रस्ट फॉल्टिंग के कारण हुआ।

अलास्का रिंग ऑफ फायर का हिस्सा: अलास्का अमेरिका का भूकंपीय रूप से सक्रिय राज्य है, जहां दुनिया के लगभग 11प्रतिशत भूकंप और पूरे अमेरिका के 17.5प्रतिशत भूकंप आते हैं। अलास्का पैसेफिक रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, जो लगातार आने वाले भूकंपों और सक्रिय ज्वालामुखियों के लिए जाना जाता है। अलास्का में मार्च 1964 में 9.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जो उत्तरी अमेरिका में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इस भूकंप ने एंकोरेज शहर को तबाह कर दिया। बाद में एक सुनामी आई, जिससे अलास्का की खाड़ी, अमेरिका के पश्चिमी तट और हवाई इलाके को तबाह कर दिया।

जापान के वैज्ञानिकों का बड़ा कमाल- बैंगनी कलर में बनाया आर्टिफिशियल ब्लड, बचाएगा करोड़ों की जान

टोकियो , एजेंसी।
खून की कमी की समस्या से जूझ रहे चिकित्सा क्षेत्र के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम खून विकसित किया है जो हृदय सर्जरी, अंग प्रत्यारोपण और अन्य गंभीर चिकित्सीय प्रक्रियाओं में तत्काल उपलब्ध हो सकेगा। इस अनूठी खोज ने चिकित्सा जगत में नए युग की शुरुआत कर दी है, जहां ब्लड की भारी कमी अब बाधा नहीं बनेगी। आमतौर पर हृदय ऑपरेशन, अंग प्रत्यारोपण, दुर्घटना या गंभीर बीमारियों में रोगी को बड़ी मात्रा में खून की जरूरत पड़ती है। लेकिन दुनिया भर में खून का दान हमेशा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं होता, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। इस समस्या को देखते हुए वैज्ञानिकों ने एक ऐसा समाधान खोजा है जो तुरंत और सुरक्षित तरीके से रक्त प्रदान कर सके। इस कृत्रिम रक्त का निर्माण उन्नत जैव प्रौद्योगिकी की मदद से किया गया है। यह रक्त मानव शरीर के स्वाभाविक रक्त के समान गुणधर्म रखता है और इसके उपयोग से रक्त की कमी को प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है। इसके कारण आपातकालीन स्थितियों में तुरंत खून की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे मरीजों की जान बचाने में मदद मिलेगी। इस खोज से चिकित्सा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आने की संभावना है। हृदय सर्जरी, अंग प्रत्यारोपण, गंभीर दुर्घटना और रक्त संचार से जुड़ी कई अन्य स्थितियों में मरीजों को बेहतर और सुरक्षित इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही ब्लड बैंक की सीमितताओं और दान पर निर्भरता भी कम होगी।

चौथे टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में दिखे विराट कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया जहां मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट जीतने के लिए जोरदार तैयारी कर रही है, वहीं सोशल मीडिया पर विराट कोहली एक बार फिर छा गए हैं. भले ही विराट अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं, लेकिन इंग्लैंड में उनका जलवा कम नहीं हुआ है. चौथे टेस्ट से ठीक पहले मैनचेस्टर में विराट कोहली की मौजूदगी ने फैंस को हैरान कर दिया है. दरअसल, वो खुद मैनचेस्टर नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उनका विशाल पोस्टर ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम की दीवारों पर नजर आया है. इस पोस्टर में विराट के साथ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और ओपनर स्मृति मंधाना की भी तस्वीरें लगी हैं.यह पोस्टर इंग्लैंड और भारत के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के प्रमोशन के लिए लगाया गया है. इसके साथ ही इस पोस्टर में भविष्य में होने वाले मैचों की तारीखें भी दी गई हैं. विराट कोहली की तस्वीर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है और इंग्लैंड में उनकी लोकप्रियता एक बार फिर साबित हुई है.जहां विराट कोहली का चेहरा मैनचेस्टर में चमक रहा है, वहीं टीम इंडिया का प्रदर्शन इस स्टेडियम में काफी निराशाजनक रहा है. भारत ओल्ड ट्रैफर्ड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेल चुका हैं, लेकिन टीम को एक भी जीत नसीब नहीं हुई है. इनमें से 4 मैच हारे हैं और 5 मैच ड्रॉ रहे हैं. इस मैदान पर सिर्फ आठ भारतीय बल्लेबाज ही शतक बना पाए हैं. आखिरी बार सचिन तेंदुलकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में इस मैदान पर शतक जड़ा था. विराट कोहली जैसे दिग्गज भी इस मैदान पर कभी शतक नहीं बना पाए हैं. साल 2021 में विराट ने इसी मैदान पर भारत की कप्तानी भी की थी, लेकिन उस मुकाबले में भी भारत को हार का सामना करना पड़ा था.

301 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने अचानक किया संन्यास लेने का ऐलान, फैन्स में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लूस्टरशायर के दिग्गज गेंदबाज टॉम स्मिथ ने टी-20 ब्लास्ट में अपनी टीम के अभियान की समाप्ति के साथ ही पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी. चेल्टेनहैम कॉलेज में विटैलिटी ब्लास्ट में ससेक्स शार्क्स के खिलाफ ग्लूस्टरशायर का मैच उनका आखिरी मैच होगा. टॉम स्मिथ ने 2015 में टीम के रॉयल लंदन वनडे कप और पिछले सीजन में टी-20 ब्लास्ट जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. वह क्लब के लिए टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं. ग्लूस्टरशायर के लिए टॉम स्मिथ ने करियर की शुरुआत 12 साल पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ हुए एक अभ्यास मैच से की थी. क्लब के लिए सभी प्रारूपों में वह अब तक 301 विकेट ले चुके हैं. टी20 में उनके नाम 154 विकेट दर्ज हैं.क्लब की वेबसाइट के लिए लिखे एक पत्र में स्मिथ ने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सही समय है. पिछले कुछ सीजन में, मुझे खेलने के साथ-साथ कोचिंग करियर बनाने का सौभाग्य मिला है और अब मैं उस पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हूं. उन्होंने लिखा, ग्लूस्टरशायर का मुझ पर विश्वास करने के लिए शुक्रिया. पिछले 13 सीजन मेरे और मेरे परिवार, दोनों के लिए बेहद खास रहे हैं. क्लब को डिवीजन वन में पहुंचाने से लेकर दो व्हाइट-बॉल ट्रॉफी जीतने तक, ये क्रिकेट के मैदान पर मेरे सबसे बेहतरीन दिन रहे हैं.ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच मार्क एलेन ने स्मिथ के पूरी तरह से कोचिंग की भूमिका में आने पर बधाई दी. एलेन ने कहा, टॉम ने 50 से ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है.उन्होंने कहा, कोचिंग में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, हमें पूरा विश्वास है कि वह उसी ऊर्जा और कौशल के साथ आगे बढ़ेंगे, जिसने उनके खेल करियर को परिभाषित किया है. वह इस क्षेत्र में पहले ही काफी प्रगति कर चुके हैं. हम ग्लूस्टरशायर क्रिकेट में उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगे.

इंग्लैंड के खिलाफ भारत कर सकता है सीरीज बराबर: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी कर सकती है। उन्होंने ये भी माना कि हार के बाद घबराहट से टीम का लय बिगड़ सकता है। के साथ खास बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम की मजबूती की तारीफ की और कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व और बल्लेबाजी की सराहना की। कैफ ने टीम के सिलेक्शन की वकालत की और टीम प्रबंधन को हार के बाद जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा और मौजूदा प्लेइंग इलेवन को समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपने चार दिन तक अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए। इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी योजनाएं बदल दें।

कैफ ने जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में खेलने की संभावना और बल्लेबाजी टीम के फॉर्म में होने पर कहा, 2-2 से सीरीज बराबर होने की अच्छी संभावना है, भारत को बस शांत रहकर समझदारी से खेलना होगा। सीरीज में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, भारत ने पिछले 15 में से 12-13 दिन तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज्यादातर लोग 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन इस युवा टीम ने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना इस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। दो करीबी मैच हारे– हेडिंग्ले भारत की पहुंच में था और 193 रनों का पीछा करते हुए आखिरी टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लिश परिस्थितियों में उनकी क्षमता पर सवाल थे, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी सी किस्मत के साथ भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था। लॉर्ड्स में आखिरी मैच के रन-चेज और रवींद्र जडेजा पर बात करते हुए

कैफ ने कहा, जडेजा ने शानदार पारी खेली और उन्हें पूरा श्रेय जाता है, लेकिन अगर वे 10 प्रतिशत अधिक आक्रामक होते, तो नतीजा अलग हो सकता था। यह 5वां दिन का पिच था और गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां मुश्किल थीं। जब यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी करने आए, तो उन्होंने केवल तीन गेंदें खेलीं। उस समय स्ट्राइक मैनेज करना जरूरी था और यह ध्यान देना कि बुमराह या सिराज जैसे टेलएंडर कितनी गेंदें खेल रहे हैं। जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और कुछ जोखिम भरे शॉट्स और चेज पूरा हो सकता था। लेकिन, बाहर से कहना आसान है। उस पल का दबाव केवल बल्लेबाज ही समझ सकता है। फिर भी, यह यादगार पारी थी।

भारत की फील्डिंग पर बात करते हुए कैफ ने कहा, कुल मिलाकर, भारत की फील्डिंग अच्छी रही। कुछ मिसफील्ड और ड्रॉप कैच हुए, लेकिन यह हर सीरीज में होता है। करुण नायर ने मुझे बहुत प्रभावित किया- मजबूत हाथ, साफ कैच और शानदार तकनीक। ऋषभ पंत की कमी खली। अगर पंत पूरी तरह फिट होते, तो विकेट के पीछे बड़ा अंतर पड़ता। जायसवाल ने आखिरी मैच में एक महत्वपूर्ण कैच छोड़ा, जो टर्निंग पॉइंट था। ऐसे क्षण मैच का रुख बदल सकते हैं। फिर भी, कैचिंग काफी हद तक ठीक रही। शुभमन गिल और केएल राहुल ने कुछ शानदार कैच लिए। कैफ ने फील्डिंग, टेपिंग और तकनीक पर कहा, मैं जोरदार टेपिंग का समर्थक नहीं हूं। इससे उंगलियां सुन्न हो जाती हैं और लचीलापन कम हो जाता है। ज्यादा टेपिंग से उंगलियों का हिस्सा मोटा हो जाता है। जब गेंद लगती है, तो टेप स्पंज की तरह काम करता है और प्रभाव को कम करता है, और गेंद हाथ से निकल सकती है। जब मैं फील्डिंग करता था, तो मैं अपनी हथेलियों पर थूक का इस्तेमाल करता था, इससे गेंद को पकड़ने में मदद मिलती थी। फील्डिंग में दर्द सहना पड़ता है। आप इससे बच नहीं सकते और इसे सहना पड़ता है। जायसवाल एक अच्छे फील्डर हैं, हमने यह आईपीएल और टेस्ट में देखा है। लेकिन, उंगलियों पर ज्यादा टेपिंग से अपनी स्वाभाविक पकड़ और फीलिंग को देते हैं। शायद यही उनके कैच छूटने का कारण रहा।

भारतीय टीम के चयन के दृष्टिकोण पर मोहम्मद कैफ ने कहा, मैंने देखा है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। लेकिन जब जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग इलेवन के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद सिर्फ बुमराह को शामिल किया, कोई और बदलाव नहीं। यही पैटर्न रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर ने 30-40 रन की शुरुआत की है, लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए। मेरे लिए यह इंग्लैंड का पिछले कई सालों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है। कोई ब्रॉड, कोई एंडरसन नहीं, और आर्चर अभी पूरी तरह वापस नहीं आए हैं। मैंने कभी इतना हल्का इंग्लैंड का आक्रमण नहीं देखा। फिर भी, हम 193 रनों का पीछा नहीं कर पाए। यहीं हम खेल हार गए। यह शुभमन गिल और गौतम गंभीर दोनों के लिए एक परीक्षा है। करीबी हार के बाद क्या वे घबराएंगे और बदलाव करेंगे? या खिलाड़ियों पर भरोसा रखेंगे?

टीम के मनोबल पर कैफ ने कहा कि सबसे पहले, घबराएं नहीं। घबराहट से दबाव बनता है और दबाव से गलतियां होती हैं। हां, भारत को अब बचे दोनों टेस्ट जीतने की जरूरत है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप अपना संयम खो दें। शांत रहना सबसे जरूरी है।

कैफ ने भारत की बल्लेबाजी पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाजी क्रम का 80-90 प्रतिशत हिस्सा अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराते रहिए।

पंत मैनचेस्टर में विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें: शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम के उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह चौथे टेस्ट से पहले मैच के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी लेने के लिए आश्वस्त न हो जाएं। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। शुक्रवार को आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है जो उन्हें चुभती है, तो यह बहुत अच्छा नहीं होगा। इससे चोट और बिगड़ जाएगी।

वैभव-आयुष करेंगे ओपन, दूसरे टेस्ट के लिए इंडिया 19 की प्लेइंग इलेवन, टेस्ट सीरीज जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम और इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के बीच 2 मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का दूसरा यानी आखिरी मैच 20 जुलाई से काउंटी ग्राउंड, चेम्सफोर्ड में खेला जाएगा। भारतीय समय के मुताबिक ये मैच दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा।

आयुष महात्रे की कप्तानी में इंडिया ने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम जीतने की स्थिति में भी थी, लेकिन आखिरी दिन भारतीय गेंदबाज विरोधी टीम के सभी 10 विकेट लेने में विफल रही थी और मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ था। इंडिया का जिस तरह का प्रदर्शन पहले मैच में रहा उसके बाद इस टीम के पास इस टेस्ट सीरीज को अपने नाम करने का अच्छा मौका है। पहले टेस्ट मैच में इंडिया के बल्लेबाजों व गेंदबाजों ने इंग्लैंड पर अपना शिकंजा पूरे मैच के दौरान कसे रखा था और एक समय पर ऐसा लग रहा था कि टीम जीत जाएगी, लेकिन मेजबान टीम ने मैच किसी तरह से ड्रॉ करा लिया। हालांकि इस टीम के कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और

ये टीम भी जीत के साथ सीरीज का अंत करना चाहेगी, यानी दोनों टीमों के बीच दूसरे मैच में कड़ी टक्कर होने की पूरी उम्मीद है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए जहां तक भारतीय प्लेइंग इलेवन की बात है तो इसमें शायद ही कोई बदलाव किया जाए। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव और आयुष करेंगे। ये दोनों अच्छी लय में हैं और पहले टेस्ट में वैभव ने दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया था जबकि कप्तान आयुष ने पहली पारी में शतक लगाया था। विहान तीसरे नंबर पर रहेंगे जिन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाया था। बल्लेबाजी क्रम में इनके बाद मौल्यराज सिंह चावड़ा, राहुल कुमार और फिर अभिज्ञान कुंडू होंगे। पहले टेस्ट में मौल्यराज ने निराश किया था और दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर पाए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें प्लेइंग इलेवन में रखा जा सकता है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो इसमें अंबरीश, एनान, दीपेश, हेनिल और अनमोलजीत सिंह होंगे।

जडेजा को कोस रहे लोगों को गौतम गंभीर ने दिया मुंहतोड़ जवाब, बीसीसीआई ने रिलीज किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है. 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में टीम इंडिया सीरीज बराबरी करने के इरादे से उतरेगी. इसके लिए खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहा रहे हैं. इस बीच टीम के हेड कोच गौतम गंभीर का ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने रिलीज किया है, जिसमें वो टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं और उनको कोस रहे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं. लॉर्ड्स टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था.

लॉर्ड्स टेस्ट मैच में हार के बाद बीसीसीआई ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें टीम इंडिया के हेड कोच खिलाड़ियों से बात करते हुए रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं. गंभीर ने कहा, उन्होंने अविश्वसनीय लड़ाई लड़ी, जड्डू ने जो संघर्ष किया, वाकई में बहुत शानदार पारी थी. रवींद्र जडेजा ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 61 रनों की पारी खेली थी. टीम इंडिया 193 रनों का पीछा करते हुए टीम इंडिया 170 रनों पर ऑल

आउट हुई, लेकिन जडेजा नाबाद रहे थे.टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी रवींद्र जडेजा की तारीफ की है. उन्होंने कहा, जड्डू भैया जैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल है. फील्डिंग, बॉलिंग और बैटिंग हर चीज में उन्होंने खुद को बेहतर किया है. वो टीम के लिए मुश्किल हालात में रन बनाते हैं. हम लकी हैं कि हमारे पास उनके जैसा खिलाड़ी है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 13.2 ओवर 23 रनों की साझेदारी की थी, लेकिन शोएब बशीर ने सिराज को आउट करके इंग्लैंड को 22 रनों से जीत दिला थी.

पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और 24 टीमें लेंगी हिस्सा, उद्घाटन 23 को; 3 करोड़ से अधिक के इनाम

कोलकाता, एजेंसी। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स

कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ थे आईएएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे।इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके।इस मौके पर आईएएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है।लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

24 टीमें, छह समूह में बंटी हैं : मोघे

खेल के बारे में जानकारी देते हुए मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे ने कहा, प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में होगी। 24 टीमें, छह समूहों में बंटी हैं, और देश के पांच राज्यों में खेलेंगी। कोलकाता दो ग्रुप के 15 मैच, एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल की मेजबानी करेगा।

डूरंड कप 2025 के मैच देश के 5 राज्यों में आयोजित होंगे

बंगाल की राजधानी कोलकाता के युवभारती और किशोर भारती स्टेडियम, कोकराझार (असम) मणिपुर (इंफाल), मेघालय (शिलांग) और झारखंड के जमशेदपुर में मैच खेले जाएंगे। कोलकाता में होंगे 15 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और 23 अगस्त को फाइनल मैच खेला जाएगा।

महारानी अहिल्याबाई होलकर ने समाज में प्रशासन, न्याय और जनकल्याण की अनुकरणीय व्यवस्था एवं उदाहरण प्रस्तुत किए - मुख्यमंत्री साय

पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर का संपूर्ण जीवन समाज कल्याण हेतु रहा

पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की जीवनी पर आधारित नाट्य मंचन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर /मूक पत्रिका

पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर का संपूर्ण जीवन समाज कल्याण हेतु समर्पित रहा। वह इंदौर की न केवल महारानी थीं, बल्कि न्यायप्रिय, धार्मिक एवं निष्पक्ष प्रशासक भी थीं। उन्होंने देशभर में धार्मिक स्थलों एवं मंदिरों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे आज भी हम सबके लिए प्रेरणादायक हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा आयोजित पुण्यश्लोक लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की जीवनी पर आधारित नाट्य मंचन समारोह में कही। मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि हम सभी लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश एवं प्रदेश में उनकी स्मृति में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन, सनातन और संस्कृति के लिए समर्पित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी के जीवन पर आधारित यह नाट्य प्रस्तुति लोगों तक उनके महान कृतित्व को पहुंचाने में सहायक होगी। राजमाता अहिल्याबाई होलकर हमारे गौरवशाली इतिहास की महान प्रेरणापुंज थीं, परंतु उन्होंने अपने को किसी भौगोलिक सीमा में नहीं बाँधा। देश के विभिन्न हिस्सों में उन्होंने मंदिरों का निर्माण, धर्मशालाओं की स्थापना की और धर्म की पताका सदैव लहराई। वह सनातन की ध्वजवाहिका रहीं। जब महारानी अहिल्याबाई का नाम आता है तो हाथों में शिवलिंग लिए हुए उनकी तस्वीर सजीव हो उठती है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना के प्रतीक काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। जब औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट किया, तब यह घटना हिंदू समाज के लिए अत्यंत आघातकारी थी। उस समय माता जीजाबाई ने शिवाजी महाराज से कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हमारा सर्वोच्च लक्ष्य होना चाहिए। पेशवा माधवराव ने भी अपनी वसीयत में लिखा था कि उनकी इच्छा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर फिर से बने। यह यशस्वी कार्य राजमाता अहिल्याबाई होलकर के कर-कमलों से संपन्न हुआ। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कर लाखों आस्थावान हिंदुओं के सपनों को साकार किया। वे हरिद्वार से गंगाजल मंगवाकर उसे कांचीपुरम के शिव मंदिर में अर्पित करवाती थीं। उन्होंने पुरी में धर्मशाला तथा द्वारका में भी धार्मिक निर्माण कार्य करवाए।

जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा और ई डी का पुतला फुंका

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ई डी के द्वारा जिस तरीके से दुर्भावना पूर्वक कार्यवाही करते हुए उनके निवास से गिरफ्तार किया गया है उसके विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा द्वारा अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में बेमेतरा शहर के हृदय स्थल पुराना बस स्टैंड चौक में भाजपा और प्रवर्तन निदेशालय ईडी का पुतला फूंका गया इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार दुर्भावना पूर्वक विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए तथा अपने अकाउंट के इशारे पर विपक्षियों पर ईडी सीबीआई तथा अन्य एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है चैतन्य बघेल जिनका कुसूर सिर्फइतना है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के सुपुत्र हैं उन्हें जबरन बिना किसी साक्ष्य के प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा गिरफ्तार किया गया है जबकि उसी दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जंगलों को अदानी समूह द्वारा काटने को लेकर विधानसभा में सवाल जवाब करने वाले हैं जानबूझकर उन्हें प्रभावित करने तथा रोकने के नियत से उनके पुत्र की गिरफ्तारी की गई है यह केवल एकमात्र गिरफ्तारी नहीं है ऐसे सैकड़ो उदाहरण है जहां भाजपा के द्वारा दुर्भावना वर्ष विपक्षियों की आवाज को दबाने के लिए लगातार एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है जिसका प्रतिरोध करने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा भाजपा और प्रवर्तन निदेशालय का पुतला फूंका गया है हम इसके माध्यम से संदेश देना चाहते हैं कि सत्य की इस लड़ाई में भूपेश बघेल अकेले नहीं है पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी उनके साथ खड़ी है सदन से लेकर सड़क तक की लड़ाई लड़ेंगे चाहे उसके लिए जो करना पड़ जाए इस दौरान ललित विश्वकर्मा प्रभारी महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेमेतरा टी आर जनार्दन शकुंतला मंगत साहू रवि परगनिहा जोगिंदर छाबड़ा कविता साहू रीता पांडेय अविनाश तिवारी मनोज शर्मा मिथलेश वर्मा नवीन ताम्रकार राजू साहू शत्रुघ्न साहू रवि रजक हरीश साहू शशि प्रभा गायकवाड मिनटा नामदेव राजू साहू दयासिंह वर्मा अजय राज सेन सनत धर दीवान सुनील नामदेव प्रांजल तिवारी प्रकाश ठाकुर राम ठाकुर रोमन वर्मा चंद्र प्रकाश शीतलानी सिद्दीक् खान बिनु मानिकपुरी जनता साहू प्रशांत तिवारी बहल वर्मा पप्पू साहब नारायण छाबड़ा विकाश चौबे भीखम साहू वाहिद रवानी सिद्धांत दीवान दिलहरन साहू लक्ष्मण साहू शेख लल्लू कुरैशी हेमिन यादव निन्नी देवांगन सीताराम यदु राजकुमार बंजारे भाव सिंह राज प्रतीक दुबे धर्म वर्मा ऋतिक तिवारी रूप सिंह कमल साहू जयप्रकाश राज राघवेंद्र मनु कौनेन अली नरेश सिंह गुरेंद्र वर्मा वर्मा गोलू वर्मा राजेंद्र साहू शंकर चौहान घनश्याम देवांगन सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने की पीएम जनमन अंतर्गत आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा

अप्रारंभ और प्रगतिरत आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत जिले में प्रगतिरत एवं अप्रारंभ आवासों की प्रगति की समीक्षा की । जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जनपद पंचायतों के सीईओ, आर.ई .एस. के एस.डी.ओ. एवं सब इंजीनियर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। जिपं सीईओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अप्रारंभ एवं प्रगतिरत आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद हितग्राहियों को शीघ्र आवास उपलब्ध कराना है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। जिला पंचायत सीईओ ने कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने तथा निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि हितग्राहियों को समय पर जानकारी और सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि योजना का लाभ उन्हें पूर्ण रूप से मिल सके। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्रवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और धीमी प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल : एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पौधारोपण

विधायक सुश्री लता उसेंडी, अंबिका मरकाम एवं बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी प्रमुख रूप से रहे उपस्थित, लगाए गए पौधों की सुरक्षा का लिया गया संकल्प

रायपुर /मूक पत्रिका

÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत आज बोरियाकला हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों तथा कॉलोनीवासियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रकृति से प्रेम और पर्यावरण के संरक्षण को समर्पित, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल पौधारोपण

का एक अवसर था, बल्कि पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और मातृ-सम्मान का जीवंत उदाहरण भी बना। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधानसभा की लोकप्रिय विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी, विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम एवं छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी ने प्रमुख रूप से भाग लेते हुए पौधारोपण कर पर्यावरण-संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ÷एक पेड़, न सिर्फ ऑक्सीजन देता है बल्कि हमारी अगली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी धरोहर है। इसे मां के नाम समर्पित करना हमारी भावनाओं को प्रकृति से जोड़ने का सुंदर प्रयास है। इस अभियान के अंतर्गत छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया, जिनमें पीपल, नीम, आम, आँवला,जामुन, और गुलमोहर ,सोन पत्ता प्रमुख हैं। सभी उपस्थितजनों ने न केवल पौधे लगाए बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर ग्रीन्सविले बोरियाकला रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसाइटी की सक्रिय भूमिका रही। सोसाइटी के अध्यक्ष देवता दिन दुबे, उपाध्यक्ष प्रदीप उपाध्यक्ष, सचिव लक्ष्मीकांत कोसरिया, संगठन सचिव राकेश दास वैष्णव, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सह सचिव सोहन ठाकुर सहित सोसाइटी के अन्य सदस्य कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संरक्षक राजीव माथुर वरिष्ठ सदस्य सर्व सुशील द्विवेदी, वीरेंद्र द्विवेदी, अवस्थी जी, दिलीप शर्मा, के बी ई राव,राहुल सिंह कुशवाह, दिलीप मंडल, अनिल राय, धीरेंद्र तिवारी,प्रखर शर्मा,कुंदन शर्मा एव श्रीमती राधा द्विवेदी, सविता दास वैष्णव, द्विवेदी शर्मा और तिवारी मैडम की उल्लेखनीय सहभागिता रही। हाउसिंग बोर्ड के ई.ई. नितेश कश्यप एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की भी सराहनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कॉलोनीवासियों की भागीदारी ने इसे एक जन-आंदोलन का रूप दिया।

जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (शतरंज) 2025-26 सफलतापूर्वक सम्पन्न

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

बीते शुक्रवार को लायन्स इंग्लिश स्कूल चांपा में जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 के अंतर्गत 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के बालक/बालिका शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जांजगीर जिले के नवागढ़, बम्हनीडीह, अकलतरा, बलौदा एवं पामगढ़ ब्लॉक से लगभग 95 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रत्ना थवाईत, बीईओ बम्हनीडीह थीं। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन्स स्कूल के चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन, लायन संतोष सोनी (अध्यक्ष, लायन्स क्लब चांपा), लायन डॉ. के. पी. राठौर, लायन राजेश अग्रवाल, लायन सी.ए. सुरेश अग्रवाल एवं लायन वाई. के. शर्मा मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि श्रीमती रत्ना थवाईत ने अपने संबोधन में बच्चों को खेल भावना से खेलने, अनुशासन और समर्पण के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में प्रभारी शिक्षकों के रूप में विष्णु यादव, गजेंद्र चौहान, अशोक राठौड़, अशोक श्याम, ओपी पाण्डेय, गिरिजा शंकर धीवर, शेखर साहू एवं गौरव कटकवार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजन शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

विगत चार दिवस में 101 यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको पर बेमेतरा पुलिस की सख्त कार्यवाही

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। जिसके तहत विगत चार दिवस में थाना बेमेतरा 01 में 01 व्यक्ति, थाना परपोडी 09 चालान में 09 व्यक्ति, थाना खम्हरिया 01 चालान में 01 व्यक्ति, थाना बेरला 09 चालान में 09 व्यक्ति, चौकी देवरबीजा 05 चालान में 05 व्यक्ति, यातायात बेमेतरा 76 चालान में 76 व्यक्ति, कुल 101 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें माल वाहक में सवारी बैठाने, बिना हेलमेट, बिना लायसेंस, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी, तेज गति एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 101 प्रकरण में 57,500/- रूपये समन शुल्क लिया गया। बेमेतरा पुलिस की अपील। बेमेतरा पुलिस आम नागरिको से अपील करता है कि यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, संयमित गति से वाहन चलाये, शराब सेवन कर वाहन न चलाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। नियमों का पालन नहीं करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है।

शिवसेना की प्रदेश स्तरीय बैठक में दाऊ राम चौहान को बनाया गया प्रदेश महासचिव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी द्वारा प्रदेश स्तरीय बैठक रखा गया था उक्त बैठक प्रदेश प्रमुख डॉ आनंद मल्होत्रा के निर्देशन पर जिला मुंगेली में प्रदेश किसान से ना अध्यक्ष हरि कपूर एवं जिला अध्यक्ष संतोष साहू के नेतृत्व में स्थानीय विश्राम गृह में बैठक आहत किया गया था उक्त बैठक में पार्टी की विस्तार एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश में आम जनता की मूलभूत समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पार्टी में प्रदेश एवं जिला स्तर में पदोन्नति की गई है जिसमें दाऊ, राम चौहान को (छ. ग.) मैं प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त करते हुए जिम्मेदारी दी गई है इस उक्त नियुक्ति पर चौहान ने कहा कि शिवसेना पार्टी को निष्ठा व ईमानदारी एवं अथक परिश्रम से संपूर्ण कार्य क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पार्टी को लक्ष्य तक पहुंचाने अथक प्रयास करने की बात कही गई इन्हीं के साथ पार्टी के प्रमुख मल्होत्रा जी को धन्यवाद ज्ञापित की गई है इसी कड़ी में चौहान ने यह भी जानकारी दी गई की प्रदेश मैं हरि कपूर को कार्यकारिणी अध्यक्ष नियुक्त किया गया, गिरवर रजक को, पुनः जिला बेमेतरा का जिला प्रमुख, राम चरण वर्मा को जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष, डोमेन्द्र राजपूत को जिला महासचिव, लक्ष्मण राजपूत जिला मीडिया प्रभारी, कुलदीप आ डिल जिला सचिव, नारायण वर्मा नवागढ़ विधानसभा प्रमुख, राजकुमार कुर्रे नवागढ़ ब्लाक प्रमुख, संजय आ डिल नवागढ़ विधानसभा सचिव, नियुक्ति कर जिम्मेदारी दी गई है इस प्रकार छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी व जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पदाधिकारी नियुक्ति कर जिम्मेदारी दी गई है

पशुपालकों पर होगी सख्त कार्रवाई- राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा

नगर निगम जगदलपुर की कार्रवाई, छोड़ी गई गौ माताओं को कांजी हाउस भेजा गया

जगदलपुर/मूक पत्रिका

नगर पालिका निगम जगदलपुर द्वारा शहर की सड़कों पर आवारा छोड़ी गई गौ माताओं को पकड़कर कांजी हाउस में भेजने की कार्रवाई शनिवार से प्रारंभ कर दी गई है। इस अभियान के तहत अब तक 12 गौ माताओं को सुरक्षित रूप से कांजी हाउस ले जाया गया है। नगर पालिका निगम जगदलपुर के महापौर संजय पांडे के दिशा निर्देश पर आवारा मवेशियों को पड़कर कांजी हाउस भेजने की कार्रवाई की जा रही है। राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने कहा नगर निगम महापौर संजय पांडे के दिशा निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है महापौर ने गौ माता की सेवा और सुरक्षा के लिए कदम बढ़ाया है। कांजी हाउस शुरू करने में महापौर का विशेष योगदान रहा है। महापौर के निर्देश पर कांजी हाउस मे व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई है। पेयजल की व्यवस्था, भूसे की व्यवस्था व पैरे के व्यवस्था की गई है। कांजी हाउस का मुख्य उद्देश्य पशु और मानव दोनों की सुरक्षा है।सड़कों पर पशुओं को छोड़ा जाना न केवल यातायात व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करता है, बल्कि यह पशु क्रूरता की श्रेणी में आता है। यह देखा गया है कि कुछ पशुपालकों द्वारा जानबूझकर अपने पशुओं को खुले में छोड़ दिया जाता है, जिससे आम नागरिकों को परेशानी होती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि ऐसे लापरवाह पशुपालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुर्माना, पशु जब्ती तथा कानूनी कार्यवाही शामिल हो सकती है। नगर निगम ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने पशुओं को खुला न छोड़ें तथा पशु कल्याण की भावना से प्रेरित होकर नगर की स्वच्छता एवं सुरक्षा में सहयोग करे। गौ माताओ को पकड़ने में प्रभारी राकेश झलके, सुशील कर्मा, गोलू एवं नगर निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।